प्रयागराज, कानपुर, रायबरेली, कौशाम्बी, इटावा, फिरोजाबाद, कानपुर देहात, बांदा, औरैया, उन्नाव, वाराणसी, मिर्जापुर, हमीरपुर, जालौन एवं महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश मे प्रसारित

फतेहपुर संस्करण | फतेहपुर/लखनऊ से प्रकाशित | R.N.I : UPHIN/ 2011/44792

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

न्यूज़ वाणी

www.newswani.in

ओमप्रकाश राजभर- सूबे की राजनीति में "बड़ी हिस्सेदारी" की चाह पेज- 2

पेज- 8 दहेज की बलिवेदी पर चढ़ी नवविवाहिता, जहर देने का आरोप

वर्ष : 15 अंक : 167 | सोमवार 08 जून, 2026 | डाक पंजीयन संख्या: एफटीपी/एल/समाचार पत्र/2025–27/106 | पृष्ठ 08 मूल्य 5.00 रूपया

यूपी में निपुण 2.0 की तैयारी तेज

-योगी सरकार कक्षा 5 तक के बच्चों में मजबूत करेगी सीखने की बुनियाद, बदलेगा सरकारी स्कूलों का स्तर

(एजेंसी) लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार बुनियादी शिक्षा सुधार के अगले चरण की तैयारी में जुट गई है। निपुण भारत मिशन के माध्यम से कक्षा 1 से 3 तक आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) को मजबूत करने के बाद अब सरकार इसकी पहुंच कक्षा 5 तक बढ़ाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके लिए हिंदी, अंग्रेजी, गणित और पर्यावरण अध्ययन (ईवीएस) विषयों के लिए नए अधिगम लक्ष्य और दक्षताएं निर्धारित की जा रही हैं। निध ारित कार्ययोजना के अनुसार इन दक्षताओं और लक्ष्यों को 20 जून तक अंतिम रूप देकर अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। हाल ही में यह कार्य–योजना अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा की अध यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रस्तुत की गई। बैठक में निपुण भारत मिशन के विस्तार, कक्षा 3 से 5 तक अधिगम लक्ष्यों के निर्धारण, शिक्षक परामर्श प्रक्रिया तथा क्रियान्वयन रणनीति की प्रगति की समीक्षा की गई। इसी के आधार पर मिशन के अगले चरण की रूपरेखा को आगे बढ़ाया जा रहा है। बच्चों की सीखने की मजबूत बुनियाद ही भविष्य की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुधार सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में निपुण

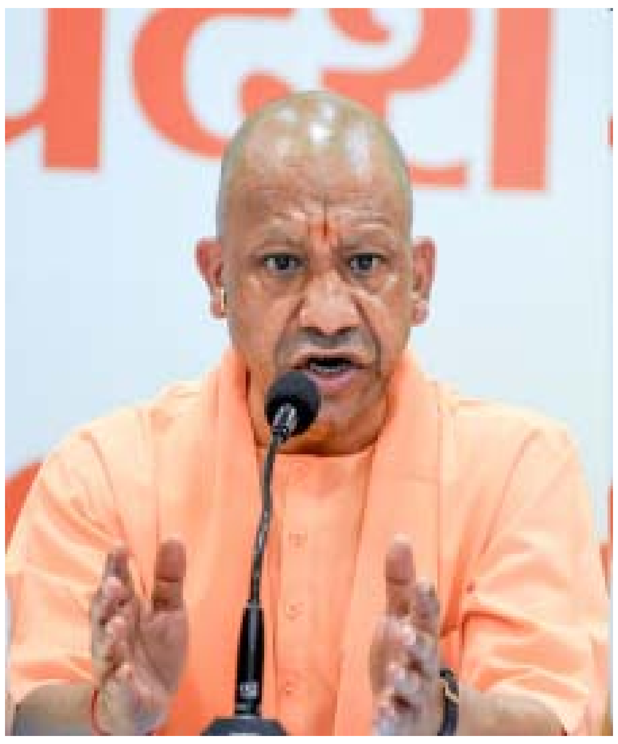

का आधार बनती है। माना जा रहा है कि इसी सोच के अनुरूप योगी सरकार द्वारा निपुण भारत मिशन के विस्तार की कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जिससे कक्षा 3, 4 और 5 के विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों में निरंतर भारत मिशन शिक्षा सुधार का मजबूत आधार बन चुका है। अब निपुण 2.0 के माध्यम से सरकार आधारभूत शिक्षा सुधार को अगले स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही है। कक्षा 3 से 5 तक मिशन के विस्तार से बच्चों की सीखने की निरंतरता मजबूत होगी, विषयगत समझ बेहतर होगी और विद्यालयों में अधिगम परिणामों को नई गति मिलेगी।निपुण विस्तार कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ), परख और एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के आधार पर दक्षताओं का मानचित्रण पूरा कर लिया गया है। इसके आधार पर विषयवार और कक्षावार अधिगम अपेक्षाओं को निर्धारित किया जा रहा है, जिससे शिक्षण प्रक्रिया को अधि क परिणामोन्मुखी बनाया जा सके। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विद्यार्थियों की सीखने की प्रगति को स्पष्ट रूप से मापा जा सके और शिक्षण प्रक्रिया को उसी के अनुरूप संचालित किया जाए। कार्ययोजना के अंतर्गत हिंदी और गणित विषयों के लिए प्रारूप अधिगम लक्ष्य तैयार कर लिए गए हैं। आगामी चरण में अंग्रेजी और ईवीएस विषयों के लिए भी लक्ष्यों को अंतिम रूप दिया जाएगा। इन लक्ष्यों के माध्यम से विद्यार्थियों की कक्षावार सीखने की उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाएगा, जिससे शिक्षकों को शैक्षणिक योजना निर्माण और अधिगम मूल्यांकन में सहायता मिलेगी। निपुण 2.0 की रूपरेखा को व्यावहारिक और विद्यालयों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इस दिशा में 12 शिक्षकों के साथ वर्चुअल परामर्श आयोजित किया जा चुका है। साथ ही कम से कम 10 शिक्षकों की सहभागिता के साथ परामर्श कार्यशाला आयोजित कर प्रस्तावित दक्षताओं और अधिगम लक्ष्यों का सत्यापन एवं परिष्करण किया जाएगा।इसके लिए व्यापक हितधारक परामर्श प्रक्रिया भी संचालित की जा रही है, ताकि अंतिम रूप से तैयार ढांचा विद्यालयों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप हो। कक्षा 3 से 5 के लिए दक्षताओं और अधिगम लक्ष्यों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद निपुण संकल्प कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला के माध्यम से जिला एवं ब्लॉक स्तर के शैक्षणिक नेतृत्व, शिक्षकों और अकादमिक टीमों को नए ढांचे से जोड़ा जाएगा तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन की रणनीति तैयार की जाएगी।

नेपाली विदेश मंत्री का बड़ा बयान, कहा, भारत के साथ सीमा विवाद को खुले दिल से सुलझाना चाहता है नेपाल

(एजेंसी) नई दिल्ली। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने रविवार को कहा कि भारत के साथ सीमा विवाद को काठमांडू कूटनीति के माध्यम से सुलझाना चाहता है क्योंकि अगर दोनों पक्ष खुले दिल से एक साथ बैठें तो कोई भी समस्या बहुत

बड़ी नहीं है। खनाल ने कहा कि नेपाल की नयी सरकार भारत को 21वीं सदी की भू–राजनीति के विकृत, अति संवेदनशील नजरिए से नहीं देखती बल्कि दोनों देशों की समग्र समृद्धि के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध बनाना चाहती है। नेपाली विदेश मंत्री की ये टिप्पणियां विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उनकी व्यापक वार्ता के एक दिन बाद आईं। खनाल ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से शुक्रवार को भारत की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की, लेकिन यह यात्रा नेपाली प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह द्वारा दोनों पक्षों के बीच सीमा विवाद पर हालिया टिप्पणियों से उपजे विवाद से प्रभावित रही। खनाल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, जब हम खुले मन से बैठते हैं, तो कोई भी समस्या बहुत बड़ी नहीं होती और कोई भी सीमा बहुत जटिल नहीं होती। उन्होंने कहा, हम भारत की ओर खुले दिल से, स्पष्ट दृ ष्टि से और एक पारदर्शी एजेंडे–नेपाल का आर्थिक रूपांतरण, के साथ देखते हैं। खनाल ने कहा, अति–राष्ट्रवादी दृष्टिकोण में लिप्त होने के बजाय, हम मुद्दों को सुलझाने के लिए शांत और आंकड़ों पर आधारित दृष्टिकोण अपना रहे हैं। उन्होंने भारत की आर्थिक वृद्धि की भी सराहना की। खनाल ने कहा, जब हम सीमा पार देखते हैं, तो हमें एक उभरता हुआ भारत दिखाई देता है – एक ऐसा भारत जिसने वैश्विक मंच पर एक गतिशील, तेजी से विकसित हो रही प्रौद्योगिकी और आर्थिक महाशक्ति के रूप में खुद को मौलिक रूप से एवं खूबसूरती से पुनर्परिभाषित किया है। उन्होंने कहा, हम महत्वाकांक्षी और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से परिपूर्ण भारत के साथ जुड़ना चाहते हैं।

महीने की मासूम को बस ने रौंदा,मां-चाची की भी कुचलकर मौत, एक ही बाइक पर सवार थे 5 लोग

(एजेंसी) गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के सैदपुर कोतवाली क्षेत्र में रविवार को बस की टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शरीफपुर गांव के पास बने रेलवे अंडरपास में एक निजी बस ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि घटना में मोटरसाइकिल पर सवार काजल गिरि (23), उसकी भाभी रितु देवी (25) और दो महीने की बेटी सेजल की बस की चपेट में आने से मौत हो गई। सूत्रों के मुकाबिक, घटना में मोटरसाइकिल चालक प्रतीक गिरि और उसकी बेटी श्रेया (दो) घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सैदपुर स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने बताया कि मिर्जापुर जिले के अदलहाट थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी प्रतीक मोटरसाइकिल पर पत्नी, भाभी और दो बच्चियों को बैठाकर बहरियाबाद से सैदपुर की ओर जा रहा था। उन्होंने बताया कि बस चालक को गिरफ्तार कर उसका वाहन जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

खरगे ने सरकार पर दागे सवाल: कहा- भाजपा के नेता अब सड़कों पर सिलेंडर लेकर क्यों नहीं उतर रहे हैं

(एजेंसी) नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को घरेलू गैस की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला किया और पूछा

कि भाजपा नेता अब सिलेंडर लेकर सड़कों पर विरोध क्यों नहीं कर रहे हैं, जबकि वे संप्रग सरकार के दौरान महंगाई पर शोर मचाते रहते थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में पश्चिम एशिया संघर्ष के जवाब में 41 देशों में ईंधन के स्रोत होने के बड़े–बड़े दावे किए थे, उनका क्या हुआ? उन्होंने पूछा कि आज भी ग्रामीण इलाकों में एलपीजी की कमी क्यों है। कांग्रेस अध्यक्ष की यह टिप्पणी दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 913 रुपये से बढ़ाकर 942 रुपये करने के बाद आई है, जबकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थी सालाना पहले चार रिफिल पर 300 रुपये प्रति रिफिल की सब्सिडी मिलने के बाद प्रभावी रूप से 642 रुपये प्रति सिलेंडर का भुगतान करते रह सकेंगे। खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, घरेलू एलपीजी के दामों में आग की लपटें आम जनता की रसोई को भस्म करने पर तुली हुई हैं। मोदी सरकार ने पिछले 4 महीनों में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में 89 रुपये की बढ़ोतरी की है। उन्होंने कहा, हमारे तीन सवाल हैं। संसद में मोदी जी ने लंबे–चौड़े दावे किए थे कि वह पश्चिम एशिया युद्ध के चलते 41 देशों से ईंधन प्राप्त कर रहे हैं। उसका क्या हुआ? ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी एलपीजी की किल्लत क्यों है? खरगे ने कहा, 2025–26 में उज्ज्वला योजना में 5.56 करोड़ परिवारों ने केवल एक या एक भी रिफिल नहीं करवाया। इनमें से 3.30 करोड़ ने तो एक भी सिलेंडर रिफिल नहीं लिया। यह तो पश्चिम एशिया संकट के पहले की बात है। क्या यह मोदी सरकार की लूट का नतीजा नहीं है? कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा, श्मोदी जी और भाजपा नेता संप्रग सरकार के दौरान महंगाई का शोर मचाते थे। क्या ये सच नहीं है कि मोदी सरकार ने 12 सालों में घरेलू एलपीजी के दामों में 530 रुपये की बढ़ोतरी की है? अब भाजपा के नेता सड़कों पर सिलेंडर लेकर क्यों नहीं बैठ रहे हैं?

सिनेमा जगत को बड़ा झटका, एक्टर सलीम कुमार के निधन पर पीएम मोदी और प्रियंका गंधी समेत कई नेताओं ने जताया दुख

(एजेंसी) नई दिल्ली। मलयालम सिनेमा के जानेमाने अभिनेता सलीम कुमार का शनिवार रात निधन हो गया। वो 56 वर्ष के थे। निमोनिया की शिकायत के बाद उन्हें कोच्चि के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां वो वेंटिलेटर पर थे। सलीम कुमार के निधन प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई बड़े नेताओं ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मलयालम एक्टर सलीम कुमार के निधन पर दुख जताया। पीएम मोदी ने कहा कि सलीम कुमार ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कई तरह की भूमिकाओं में यादगार अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाई। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, दिग्गज अभिनेता सलीम कुमार जी के निधन से गहरा दुख हुआ है। अपने शानदार करियर के दौरान, उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कई तरह की भूमिकाओं में यादगार अभिनय से अपनी अलग

पहचान बनाई। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं। केरल राजभवन के आधिकारिक एक्स अकाउंट से जारी संदेश में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सलीम कुमार के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत अभिनेता के परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना जताते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि सलीम कुमार ने मिमिक्री कलाकार के रूप में अपने सफर की शुरुआत की थी और बाद में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता बनकर सिनेमा जगत में एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिभा, बहुमुखी अभिनय और समर्पण आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने संदेश में कहा कि अभिनेता, हास्य कलाकार, लेखक और निर्देशक के रूप में सलीम कुमार ने अपनी असाधारण प्रतिभा से लाखों लोगों के जीवन में खुशी और गर्मजोशी भरी। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने उन्हें एक महान कलाकार बताते हुए कहा कि अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग से उन्होंने पीढ़ियों तक मलयाली दर्शकों को हंसाया, वहीं गंभीर भूमिकाओं में भी अपने शानदार अभिनय से अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि सलीम कुमार की यादगार भूमिकाएं हमेशा दर्शकों के दिलों में जीवित रहेंगी। इस बीच, कोच्चि में केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने भी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सलीम कुमार के पार्थिव शरीर के दर्शन कर उन्हें अंतिम सम्मान दिया। सलीम कुमार ने मलयालम सिनेमा में लगभग तीन दशकों तक योगदान दिया। उन्होंने अपनी कॉमिक भूमिकाओं के साथ–साथ गंभीर किरदारों में भी शानदार अभिनय कर दर्शकों और समीक्षकों की प्रशंसा हासिल की। फिल्म 'आदामिंटे मकन अबू' में उनके अभिनय के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने अपनी प्रतिभा से लाखों लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी और भारतीय सिनेमा में एक अमिट विरासत छोड़ी।

हत्या करने वाले सपा के लोग... 23 राजभरों की मौत के पोस्टर पर ओम प्रकाश राजभर का अखिलेश यादव पर तीखा पलटवार

(एजेंसी) कन्नौज। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने अपने दफ्तर में राजभर समुदाय के 23 लोगों की हत्या के बारे में एक पोस्टर लगाया है। हमने कहा है कि पोस्टर लगाने वालों को यह भी बताना चाहिए कि उन हत्याओं के लिए कौन जिम्मेदार था। उन 23 मामलों में से 95 प्रतिशत आरोपी समाजवादी पार्टी के नेता हैं। समाजवादी पार्टी के नेता इन घटनाओं के लिए पूरे समाज को दोषी ठहराने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि पोस्टर में बताए गए 95 प्रतिशत मामलों में आरोपी उनके अपने ही नेता हैं। उन्होंने कहा कि बाराबंकी में राजभर समाज के शख्स पर सपा के लोगों की ओर से हमला किया गया। वह आइसक्रीम बेच रहा था, सपा लोगों ने आइसक्रीम खाई और जब राजभर समाज के उस व्यक्ति ने पैसा मांगा तो सपा के लोगों ने उसकी उंगली काट दी। मऊ में हाल ही में सपा के चार नेताओं ने

मिलकर राजभर समाज के व्यक्ति को गोली मार दी। मऊ के ही मध ुबन में समाजवादी पार्टी के पांच नेताओं के ऊपर हत्या का आरोप है। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि देवरिया, कुशीनगर में सपा के लोगों ने हमला किया। पोस्टर में 95 प्रतिशत या तो मुसलमान है या फिर यादव की ओर से हमला किया गया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेताओं का कहना है कि आजमगढ़ पार्टी का गढ़ है। समाजवादी पार्टी के इस गढ़ में एटीएस जहां भी तलाशी लेती है, उन्हें वहीं लोग मिलते हैं। ऐसा क्यों है? अगर यह समाजवादी पार्टी का गढ़ है, तो उन्हें संरक्षण कौन दे रहा है? समाजवादी पार्टी को इस बारे में खुलासा करना चाहिए। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि महाराज जी समाजवादी पार्टी के नेता के तौर पर काम कर रहे हैं। आप उनके बयान देख सकते हैं। आम तौर पर, संत और साधु मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के खिलाफ बयान नहीं देते। इंसान को उसी काम पर ध्यान देना चाहिए जिसमें वह लगा हो। कभी वे सीएम योगी के खिलाफ बोलते हैं, तो कभी पीएम मोदी के खिलाफ। अगर वे कोई अभियान चलाना चाहते हैं, तो ऐसा करने के लिए आजाद हैं। उन्होंने कहा कि जब आदमी मार खा जाता है तो शरण में चला जाता है।

पारिवारिक विवाद के बाद सुरक्षा अधिकारी ने पत्नी और बेटे को गोली मारकर उतारा मौत के घाट

(एजेंसी) गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक सुरक्षा अधिकारी ने कथित तौर पर पारिवारिक विवाद के बाद अपनी पत्नी और बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना अशोक विहार इलाके की है। पुलिस ने आरोपी को मौके से हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान 45 वर्षीय आशा और उनके 25 वर्षीय बेटे प्रशांत के रूप में हुई है। आशा एक निजी स्कूल में प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत थीं। वहीं आरोपी अनिल एक निजी कंपनी में सुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्यरत है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, अनिल और उसकी पत्नी के बीच अक्सर घरेलू विवाद होता रहता था। शनिवार रात भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते तीखी बहस में बदल गई। पुलिस के मुताबिक, दूसरे कमरे में सो रहा बेटा प्रशांत शोर सुनकर जाग गया और माता–पिता के बीच हो रहे विवाद को शांत कराने की कोशिश करने लगा। इसी दौरान स्थिति और बिगड़ गई और अनिल का गुस्सा बेटे पर भी फूट पड़ा। आरोप है कि गुस्से में आकर अनिल ने अपनी लाइसेंसी पिस्तौल निकाली और पत्नी तथा बेटे पर कई राउंड फायर कर दिए। गोली लगने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। गोलियों की आवाज सुनकर पड़ोसी घर की ओर दौड़े। वहां उन्होंने मां–बेटे को खून से लथपथ हालत में पड़ा देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस, फोरेंसिक टीम और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार, जब टीम घटनास्थल पर पहुंची तो आरोपी अनिल दोनों शवों के पास बैठा हुआ मिला। इसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। मृतकों को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल लाइसेंसी पिस्तौल को भी कब्जे में ले लिया है। सेक्टर–5 थाना प्रभारी सत्याध्वान ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम के माध यम से मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि कितनी गोलियां चलाई गईं और अन्य फोरेंसिक तथ्यों की पुष्टि हो पाएगी। जांच में यह भी सामने आया है कि अनिल पहले कई वर्षों तक स्कूलों में शारीरिक शिक्षा शिक्षक (पीटीआई) और खेल प्रशिक्षक के रूप में कार्य कर चुका है। बाद में उसने एक निजी कंपनी में सुरक्षा अधिकारी के रूप में नौकरी शुरू की थी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है और हत्या के पीछे के सटीक कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

सम्पादकीय

क्या "घर वापसी" करेंगे कैप्टन?

अगले साल के शुरू में पंजाब सहित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर के विधानसभा चुनाव होने हैं। मैं नफीस जाफरी अपनी इस संपादकीय में पंजाब के विधानसभा चुनाव के मद्दे नजर पूर्व कांग्रेस नेता और अब भाजपा के नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह पर चर्चा करूंगा। मालूम हो कि पंजाब के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में बीते दिनों कांग्रेस में भाजपा से आए केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। वहीं कांग्रेस में भी अब अपना नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने जा रही है। जहां तक अब भाजपा के नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह का सवाल है तो मालूम हो कि पंजाब के राजनीतिक गलियारों में पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह की घर वापसी की अटकलें तेज हो गई हैं। यानी, कैप्टन अमरिंदर भाजपा छोड़कर कांग्रेस में वापसी कर सकते हैं। ऐसी अटकलें इसलिए लगाई जा रही हैं, क्योंकि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के बड़े नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा का कहना है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस के संपर्क में हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस वापसी की अटकलें ऐसे समय लगाई जा रही हैं, जब कुछ ही महीनों में पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले ही कैप्टन अमरिंदर कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए थे। अब कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस में एक बार फिर आ सकते हैं। कांग्रेस नेता भूपिंदर हुड्डा ने दावा किया कि कैप्टन अमरिंदर कांग्रेस के संपर्क में हैं। इन अटकलों को और हवा देते हुए पूर्व उप मुख्यमंत्री और पंजाब कांग्रेस के सीनियर नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि अगर अमरिंदर कांग्रेस में वापस आने का फैसला करते हैं तो उनका खुले दिल से स्वागत किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी परिवार ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को बहुत मान–सम्मान दिया है और उन्हें मुख्यमंत्री भी बनाया था। इसलिए अगर वह वापसी करते हैं तो पार्टी के नेता उनके इस फैसले का स्वागत करेंगे। बताया जा रहा है कि कैप्टन अमरिंदर भाजपा से नाराज चल रहे हैं। हाल ही में जब भाजपा ने केवल सिंह ढिल्लों को अपना नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया था, तो कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा था कि भाजपा ने इस मामले पर उनकी राय नहीं ली थी। कैप्टन अमरिंदर कई बार भाजपा के काम करने के तरीकों को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने कई बार खुलेआम कहा है कि कांग्रेस की लीडरशिप पंजाब से जुड़े मामलों पर उनसे अक्सर सलाह–मशविरा करती थी लेकिन भाजपा में फैसले लेने की प्रक्रिया ज्यादा सेंट्रलाइज्ड है। इतना ही नहीं, बीते दिनों जब केवल सिंह ढिल्लों ने भाजपा कार्यालय में अपना पद संभाला तो वहां भाजपा के तमाम बड़े नेता मौजूद थे लेकिन कैप्टन अमरिंदर सिंह यहां मौजूद नहीं थे। उन्होंने इस बात की ओर भी इशारा किया कि भाजपा के नेताओं की ओर से उन्हें व्यक्तिगत तौर पर कोई खास सम्मान नहीं मिलता। अमरिंदर ने हाल ही में बताया था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उनके जन्मदिन पर उन्हें व्यक्तिगत रूप से बधाई दी थी। इतना ही नहीं, भाई के गुजर जाने पर भी राहुल ने फोन लगाया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा की ओर से उन्हें इस तरह के कोई भी भाव देखने को नहीं मिले। कैप्टन अमरिंदर की नाराजगी की एक वजह चुनाव भी है। अमरिंदर ने पंजाब में अकाली दल के साथ गठबंधन करने का बार–बार समर्थन किया है। जबकि, भाजपा नेताओं ने यह साफ कर दिया है कि भाजपा सभी 117 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। बताया जा रहा है कि कैप्टन अमरिंदर ने कई बार भाजपा को सुझाव दिया है कि अगर भाजपा पंजाब में सरकार बनाना चाहती है तो उसे अकाली दल के साथ गठबंधन करना चाहिए लेकिन बीजेपी आलाकमान ने इस पर कोई विचार नहीं किया। इस साल मार्च में एक रैली में गृह मंत्री अमित शाह ने साफ कर दिया था कि पंजाब में कोई गठबंधन नहीं किया जाएगा। भाजपा ने यह भी साफ कर दिया है कि इस बार पार्टी अकेले चुनाव लड़ना चाहती है और अकाली दल के साथ गठबंधन कर छोटे भाई की भूमिका नहीं चाहती।

नफीस जाफरी

अमरनाथ यात्रा के लिए राशन सामग्री रवाना, बम बम भोले के जयकारे गूंजे

संवाददाता उन्नाव। शुक्लागंज स्थित श्री अमरनाथ सेवा मंडल की शाखा ने अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए एकत्र की गई राशन सामग्री को ट्रक से रवाना किया। विधिवत पूजन–अर्चन के बाद ट्रक को रवाना किया गया, जिससे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल रहा और बाबा बर्फानी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। मंडल द्वारा राजधानी मार्ग स्थित मन्नी बिहारीपुरम के निकट स्थापित कलेक्शन सेंटर पर पिछले कई दिनों से श्रद्धालुओं और समाजसेवियों के सहयोग से भंडारे के लिए आवश्यक सामग्री एकत्र की जा रही थी। नगरवासियों ने आटा, चीनी, दाल, चायपत्ती, सरसों का तेल, नमक, दूध, रिफाइंड, कोल्ड ड्रिंक, दवाइयां सहित अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं दान कीं। मंडल पदाधिकारियों ने बताया कि यह सभी सामग्री अमरनाथ यात्रा मार्ग पर लगाए जाने वाले सेवा शिविरों और भंडारों में उपयोग की जाएगी। भेजी गई सामग्री का उपयोग अमरनाथ की पवित्र गुफा, बालटाल, पंचतरिणी तथा जम्मू स्थित यात्री निवासों में लगाए जाने वाले भंडारों में किया जाएगा, जहां हजारों श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। सुबह मंडल की ओर से श्रद्धालुओं और राहगीरों के लिए शरबत वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। भीषण गर्मी के बीच बड़ी संख्या में लोगों ने शरबत ग्रहण कर इस सेवा कार्य की सराहना की। उपस्थित लोगों ने इसे धार्मिक सेवा और मानवता की मिसाल बताया। विधि–विधान से पूजा–अर्चना के बाद राशन सामग्री से लदे ट्रक को रवाना किया गया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने बम–बम भोले और जय बाबा बर्फानी के जयघोष लगाए। धार्मिक नारों के बीच ट्रक को अमरनाथ यात्रा मार्ग के लिए विदा किया गया। मंडल के पदाधिकारियों ने नगरवासियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि श्रद्धालुओं की सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। इस कार्यक्रम में मंडल के समस्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में सभी स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ओमप्रकाश राजभर- सूबे की राजनीति में "बड़ी हिस्सेदारी" की चाह

गुलफिशा खान

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अब बस कुछ ही महीने रह गए हैं। इस वजह से राज्य का राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। सूबे की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से चुनावी मूड में आ चुकी है। और ऐसे में जल्द ही भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की नई टीम का ऐलान किसी भी वक्त हो सकता है। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी सक्रिय हो गए हैं। चुनाव से पहले ही नेताओं की बयानबाजी तेज हो गई है। इस काम में सबसे आगे हैं योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर। सोशल मीडिया पर वो समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। राजभर ने अखिलेश यादव के पीडीए वोट बैंक की नई परिभाषा दी है, पीट देगा अहीर। कांशीराम की बसपा से अपनी राजनीति शुरू करने वाले ओमप्रकाश राजभर ने 2002 में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नाम से अपनी नई पार्टी बना ली थी। वो अब तक सपा समेत कई राजनीतिक दलों से समझौता कर चुनाव लड़ चुके हैं। आइए इस आलेख के माध्यम से जानते हैं कि राजभर की राजनीति कैसी रही है और उनका आधार वोट क्या है। अगर इतिहास के पन्ने पलट कर देखें तो मालूम हो कि बसपा के संस्थापक कांशीराम राजनीति में बहुजन का सिद्धांत लेकर आए थे। उनके बहुजन में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यक समाज आता है, माना जाता है कि भारतीय समाज में इस बहुजन की आबादी करीब 85 फीसदी है। इनमें से एससी–एसटी और अल्पसंख्यकों की जनसंख्या तो पता है, लेकिन ओबीसी की आबादी नहीं पता है। मंडल आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार में ओबीसी राजनीति को पंख लग गए. इसी के बाद जनता दल बिखरना शुरू हुआ। जनता दल के बिखरे नेताओं ने ही समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल यूनाइटेड, राष्ट्रीय लोकदल जैसे दलों का गठन किया। इसके बाद देश में ओबीसी राजनीति चल निकली। लेकिन नई सदी में पिछड़ी जातियों में भी अति पिछड़ी जातियों को लगा कि वो इस राजनीति में ठगे जा रहे हैं। इसके बाद उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा जागने लगी। इसी के तहत ओमप्रकाश राजभर ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का गठन किया. शुरू में उन्होंने अपनी जाति राजभर को संगठित करना शुरू किया. इसमें उन्हें सफलता भी मिली। सुभासपा मुख्य रूप से अति पिछड़ी जाती राजभर की राजनीति करती है। साल 2001 में बनी सामाजिक न्याय समिति जिसे हुकुम सिंह समिति भी कहा जाता है, उसके अनुसार प्रदेश में राजभर आबादी 2.44 फीसदी है। राजभर जाति के लोगों ने आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों से लोहा लिया था। वो खुद को मध्ययुगीन महाराजा सुहेलदेव राजभर का वंशज होने का दावा करते हैं। कई औपनिवेशिक गजेटियर में भी राजा सुहेलदेव का उल्लेख राजभर और पासी राजा के रूप में भी मिलता है। इससे उन पर

राजभरों का दावा विवाद का विषय है। लेकिन महाराजा सुहेलदेव पर राजभरों का दावा अकेला नहीं है। उन पर क्षत्रियों के साथ–साथ पासी जाति के लोग भी अपना दावा जताते हैं। इस जाति का प्रभाव केवल पूर्वी उत्तर प्रदेश में ही है। माना जाता है कि करीब 60 सीटों पर राजभर जाति के वोटों की संख्या ठीक–ठाक है। पूर्वांचल के ये जिले हैं वाराणसी, जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर, आजमगढ़, देवरिया, बलिया और मऊ. ओमप्रकाश राजभर मऊ जिले की जहूराबाद सीट से विधायक हैं। इनके अलावा गोरखपुर, संतकबीरनगर, महराजगंज, कुशीनगर, बस्ती, बहराइच, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, अयोध्या और अंबेडकरनगर में भी राजभर आबादी है। ओमप्रकाश राजभर अपनी राजभर जाती के अलावा भर, शाक्य, सैनी, अर्कवंशी अर्क, आरक, नोनिया, तेली, तमेरा, बार, वियार, बारी, बंजारा, पाल, प्रजापति, कुम्हार, लोहार, चौहान, निषाद, माली, केवट, बिंद, नाई, अहिरवार, विरार, वनवासी, गड़रिया, धीमर, धोबी, कोइरी, डोम, पतझार, गोंड और वाल्मीकि जाति का प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं। ये वो जातियां हैं, जिनका प्रतिनिधित्व संसद–विधानसभाओं और सरकारी नौकरियों में बहुत ही कम है। ओमप्रकाश राजभर जिस राजभर जाति से आते हैं, उसे पूर्वी उत्तर प्रदेश में भर के नाम से जाना जाता है। यह छोटे किसानों और खेतिहर मजदूरों की जाति है। वाराणसी में 2002 में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की स्थापना करते हुए ओमप्रकाश राजभर ने अपनी पार्टी को अति पिछड़ों, अति दलितों और अल्पसंख्यकों की पार्टी बताया था। ओमप्रकाश राजभर से पहले राजभर जाति की राजनीतिक ताकत को बहुजन समाज पार्टी ने पहचाना था। उसने अपनी पार्टी में राजभरों को जगह दी थी। ओमप्रकाश राजभर भी पहले बसपा में ही थे। बसपा ने आजमगढ़ के सुखदेव राजभर को विधानसभा का अध्यक्ष भी बनाया था। वो कई बार विधायक रहे। इसके अलावा बसपा ने भीम राजभर नाम के एक राजभर नेता को अपना प्रदेश अध्यक्ष भी बनाया था। सुभासपा 2007 के विधानसभा चुनाव से मैदान में उतरी लेकिन उसे कोई सफलता नहीं मिली। सुभासपा ने 97 सीटों पर मैदान में थी, इनमें से वह एक सीट पर दूसरे और आठ सीटों पर तीसरे नंबर पर रही। उसको करीब पांच लाख वोट मिले थे। उसने 2012 का चुनाव 52 सीटों पर लड़ा.लेकिन इस बार भी उसे कोई सफलता नहीं मिली. उसके उम्मीदवार नौ सीटों पर तीसरे नंबर पर रहे और पार्टी को पौने पांच लाख के आसपास वोट मिले थे। शुरूआती असफलता से परेशान सुभासपा ने 2017 के चुनाव में भाजपा से हाथ मिला लिया। इसका उसे फायदा भी मिला और वह चार सीटें जीतने में कामयाब रही। विधानसभा चुनाव में यह सुभासपा को मिली पहली सफलता थी। लेकिन 2022 के चुनाव से पहले भाजपा से गठबंधन तोड़ सपा से जा मिले। सपा ने उन्हें भाजपा से अधिक सीटें लड़ने के लिए दीं। सुभासपा उस चुनाव में 19 में से छह सीटें जीत ली थीं। सपा–सुभासपा की दोस्ती बहुत दिनों तक नहीं चली। साल 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले सुभासपा ने एक बार फिर भाजपा के साथ गठबंधन कर लिया। लेकिन 2004 से लोकसभा का चुनाव लड़ रही सुभासपा अभी तक जीत का स्वाद नहीं चख पाई है। ऐसा नहीं है कि राजभरों की राजनीति केवल ओमप्रकाश राजभर ही करते हैं। उनसे पहले भी राजभर नेता प्रदेश की राजनीति में सक्रिय रहे हैं। भाजपा ने हरिनारायण राजभर और सकल दीप राजभर को आगे बढ़ाया। वहीं अनिल राजभर अभी उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। ओमप्रकाश राजभर ने जिस सुहेलदेव का नाम अपनी पार्टी में जोड़ा है। उन सुहेलदेव का राष्ट्रीय स्मारक भी भाजपा ने ही बहराइच में बनवाया है। वहीं अगर समाजवादी पार्टी की बात करें तो उसने भी राजभर नेताओं को आगे बढ़ाया है। लोकसभा चुनाव में उसने रमाशंकर राजभर को सलेमपुर से टिकट दिया था। वो जीतने में भी कामयाब रहे। इसी तरह से उसके सपा ने सुभासपा छोड़कर आईं सीमा राजभर को अपनी महिला मोर्चा की कमान सौंपी है। सपा में सक्रिय होने के बाद से सीमा ओमप्रकाश राजभर पर लगातार निशाना साध रही हैं। इससे वो असहज होते जा रहे हैं। कहा यह भी जा रहा है कि सीमा राजभर के सपा जाने के बाद से ही ओमप्रकाश राजभर ने सपा और अखिलेश यादव पर हमला तेज कर दिया है। वहीं अगर सुभासपा की बात करें तो पार्टी में उनके अलावा कोई और बड़ा नेता नहीं है। पार्टी की कमान ओमप्रकाश राजभर के अलावा उनके बेटे अरविंद और अरुण राजभर हैं।

सपा के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस में दो विचार!

फरीद वारसी

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में अभी आठ माह का समय भले ही बचा हो। लेकिन आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में राजनीतिक गहमागमी इस भीषण गर्मी के मौसम में शुरू हो गई है। प्रदेश की सत्तारूढ़ भाजपा का मुख्य मुकाबला इंडिया गठबंधन से होता दिख रहा है। मालूम हो कि इंडिया गठबंधन में सपा और कांग्रेस शामिल हैं। भविष्य में इस गठबंधन में और कौन सा दल शामिल होगा, यह अभी पूरी तरह से तय नहीं है। अगर मौजूदा इंडिया गठबंधन में शामिल सपा और कांग्रेस की बात करें तो दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व ने जो संकेत दिए हैं कि सपा और कांग्रेस इंडिया गठबंधन के तहत ही विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। लेकिन देखने वाली बात यह है कि इसके बाद भी सपा से गठबंधन को लेकर कांग्रेस में दो अलग–अलग विचार पैदा हुए हैं। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए इंडिया अलायन्स भी तैयारी में जुटी है। इंडिया अलायन्स के तहत यूपी में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन में साथी हैं। सीटों के बंटवारे को लेकर कई तरह की अटकलों के बीच कांग्रेस पार्टी में सपा के साथ गठबंधन को लेकर दो गुट बनते दिखाई दे रहे हैं। एक गुट चाहता है कि किसी भी हाल में गठबंधन रहना चाहिए लेकिन दूसरा पक्ष गठबंधन के पक्ष में नहीं है। कांग्रेस पार्टी में ये जो दो गुट हैं, इनके गठबंधन को लेकर अपने अपने तर्क हैं। एक गुट का मानना है कि समाजवादी पार्टी के साथ किसी भी हाल में गठबंधन होना चाहिए ताकि कांग्रेस अपनी स्थिति विधानसभा में कुछ बेहतर कर सके। इससे उलट, जो दूसरा पक्ष है, उसका तर्क ये है कि गठबंधन करने से कुछ सीटें भले हासिल हो जायें लेकिन पार्टी की स्थिति या फिर अपना वोट बैंक मज़बूत नहीं किया जा सकता है। इसलिए गठबंधन कतई नहीं होना चाहिए। विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी के ये जो दो धड़े हैं, इनका तर्क सही है या ग़लत, ये कह पाना मुश्किल है। दरअसल, जो पक्ष गठबंधन चाहता है, उसे लगता है कि अगर पार्टी के विधायक बढ़े तो विधानसभा के सदन में पार्टी अपना पक्ष मज़बूत रखकर यूपी में रिवाइवल कर सकती है। उसका मानना है कि अगर इंडिया अलायन्स की सरकार बनी तो सत्ता में रहने से कांग्रेस को मज़बूत करने में ज्यादा मदद मिलेगी। सपा के साथ गठबंधन ना करने की पैरोकारी करने वाला धड़ा ये मानता है कि जब तक कांग्रेस के ज्यादा से ज्यादा लोग चुनाव मैदान में नहीं उतरेंगे, तब तक संगठन मज़बूत नहीं किया जा सकता। साथ ही जनता के मन में भी अच्छा संदेश नहीं जाएगा। इस गुट का तर्क ये भी है कि चूंकि सपा यूपी में बड़ी पार्टी है, इसलिए जो विधायक जीते भी, उनकी जीत का श्रेय सपा के पक्ष में जाएगा। इसलिए गठबंधन से सीटें भले मिल जायें लेकिन पार्टी को मजबूती नहीं मिल सकती। गठबंधन ना करने की बात करने वाला धड़ा ये मानता है कि यूपी में कांग्रेस भाजपा को सीधी चुनौती दे तो इससे प्रदेश में कांग्रेस का जनसमर्थन बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही भाजपा और सपा के पक्ष में ना रहने वाले लोगों को जोड़कर पार्टी अपना एक वोटबैंक तैयार कर सकती है। प्रियंका गांधी के "लड़की हूं लड़ सकती हूँ" वाले अभियान से प्रेरणा लेकर पार्टी महिलाओं को साथ जोड़ने का अभियान चलाना चाहती है। साथ ही ब्राह्मण, मुसलमान और पिछड़ों के वोट जोड़कर पार्टी अपना मज़बूत वोटबैंक बनाने की पैरवी कर रही है। उत्तर प्रदेश में सपा कांग्रेस का गठबंधन दस साल में दो बार बना है। पहला गठबंधन साल 2017 के विधानसभा चुनाव में दिखा जब अखिलेश यादव और राहुल गांधी को "दो लड़कों की जोड़ी" बताकर चुनाव में दोनों

दल उतरे थे। नारा था "यूपी को ये साथ पसंद है"। हालांकि तब ये जोड़ी कुछ ख़ास नहीं कर पाई थी। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा को कुल 47 सीटें और कांग्रेस को मात्र 7 सीटें हासिल हुई थीं। भाजपा ने 325 सीटें जीतकर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनाई और उसके बाद दो लड़कों की जोड़ी वाला गठबंधन टूट गया। चौबीस के लोकसभा चुनाव में अखिलेश–राहुल की जोड़ी फिर साथ आई। इन दोनों दलों ने विपक्षी दलों के उस गठबंधन के तहत हाथ मिलाया, जिसका नाम इंडिया अलायन्स दिया गया। 2017 में निराशा के 7 साल बाद इस जोड़ी का असर दिखाई दिया। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा को 80 में से 37 सीटें और कांग्रेस को छह सीटें हासिल हो गईं। 2014 में 73 और 2019 में 64 सीटें जीतने वाले एनडीए गठबंधन को 36 सीटों से संतोष करना पड़ा। भाजपा मात्र 33 सीटी जीत पाई। फिलहाल अगले साल की शुरुआत में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव तक इंडिया अलायंस के तहत सपा और कांग्रेस साथ रहेंगे, ये देखना दिलचस्प होगा. सपा प्रमुख अखिलेश यादव बार बार गठबंधन क़ायम रखने की बात कहते हैं। सीटों के बंटवारे को लेकर जब सवाल होता है तो अखिलेश यादव कहते हैं कि जीत ज़रूरी है, सीट नहीं। हालांकि कांग्रेस ने नेता खुलकर गठबंधन क़ायम रखने पर ज़ोर नहीं देते। उल्टा सांसद इमरान मसूद से लेकर अलग अलग नेता गठबंधन ना करने की वकालत करते दिखते हैं। ऐसे में लाख टके का सवाल यही है कि क्या एनडीए का सीधा मुक़ाबला इंडिया अलायन्स से होगा या सपा से?

भारतीय कंपनियों को इन पांच ताकतों का सामना एकजुट होकर करना होगा

दीपक शर्मा

भारत के कॉर्पोरेट जगत के नेता अब अनिश्चितताओं से सहज महसूस करने लगे हैं। देश की संरचनात्मक वृद्धि बरकरार है। घरेलू मांग स्थिर है, उपभोक्ता वर्ग महत्वाकांक्षी है और नीतिगत माहौल व्यापक रूप से अनुकूल है। फिर भी, विकास का मार्ग पहले कभी इतना जटिल नहीं रहा। भू–राजनीति, तकनीकी व्यवधान और स्थिरता, वार्षिक नियोजन चक्रों की क्षमता से कहीं अधिक तेजी से प्रतिस्पर्धी गतिशीलता को नया आकार दे रहे हैं। इस तिमाही में 25 क्षेत्रों की 1,000 से अधिक कंपनियों के अर्निंग्स कॉल के कानविक विश्लेषण से पता चलता है कि बोर्डरूम कमोडिटी की कीमतों में उतार–चढ़ाव, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) के तेजी से बढ़ते उपयोग, भू–राजनीतिक अनिश्चितता, बढ़ती मुद्रास्फीति और प्रीमियम उत्पादों की ओर व्यापक बदलाव जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। चौंकाने वाली बात इन दबावों की मौजूदगी नहीं, बल्कि इन सभी को एक साथ जिस हद तक संभालना आवश्यक है, वह है। हर बोर्ड में एक ही मुद्दा हावी है–कमोडिटी की कीमतों में अस्थिरता, जिसका जिक्र तिमाही–दर–तिमाही 32 प्रतिशत बढ़ रहा है। जो कभी तेल, गैस और धातुओं तक ही सीमित था, अब उसका दायरा भी बढ़ गया है। फास्ट–मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफ.एम.सी.जी.) कंपनियां सोया, पाम, गेहूं और सूरजमुखी के तेल में होने वाले उतार–चढ़ाव को उपभोक्ताओं की पसंद और मुनाफे पर सीधा असर डालने वाला कारक बता रही हैं। निर्माण कंपनियां कच्चे माल की लागत को अपनी सबसे बड़ी इक्षचता बता रही हैं। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में, तांबे की कीमतों में उतार–चढ़ाव सकल मुनाफे को नुकसान पहुंचा रहा है। धातु क्षेत्र में, बुनियादी ढांचे के विकास के चलते इस्पात की मांग में वृद्धि बताई जा रही है। फिर भी, इनपुट लागतों में तेजी से उतार–चढ़ाव के कारण मुनाफे का पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है। ए.आई. अब सिर्फ तकनीकी चर्चा का विषय नहीं रह गया, तिमाही दर तिमाही इसकी चर्चा में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भवन निर्माण सामग्री और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में पहली बार इतनी वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय सेवाओं में 400 प्रतिशत और खुदरा क्षेत्र में 240 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। सीमेंट कंपनियां ए.आई.–सक्षम केंद्रीय नियंत्रण प्रणालियों को लागू कर रही हैं। लॉजिस्टिक्स कंपनियां दस्तावेजीकरण को स्वचालित करने के लिए एजेंटिक ए.आई. का उपयोग कर रही हैं। खुदरा क्षेत्र में, बाजार की वृद्धि और उपभोक्ता विश्वास के साथ–साथ ए.आई. चर्चा के शीर्ष तीन विषयों में शामिल हो गया है। भू–राजनीतिक उथल–पुथल रूप व्यापार नीति पर चर्चा स्थिर रही लेकिन बातचीत अधिक तीखी और क्षेत्र–विशिष्ट हो गई है। यूरोपीय बाजार इस बात का उदाहरण प्रस्तुत करता है कि कैसे एक ही भू–राजनीतिक घटनाक्रम किसी कंपनी की स्थिति के आधार पर खतरा या अवसर दोनों का रूप ले सकता है। ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स और औद्योगिक मशीनरी के निर्यातकों के लिए, यूरोप में मांग में नरमी और नई टैरिफ संरचनाओं से मुनाफे पर दबाव पड़ रहा है। भारतीय स्पैशलिटी कैमिकल्स और फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए स्थिति उलट है, क्योंकि यूरोपीय प्रतिस्पर्धियों के संयंत्रों के बंद होने से आपूर्ति में कमी आई है जिसे वे पूरा कर सकते हैं। वहीं, भारत–यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के चरणबद्ध कार्यान्वयन से वस्त्र, भवन निर्माण सामग्री और स्पैशलिटी मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों के लिए निर्यात के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। लाभ बढ़ाने की रणनीति के रूप में प्रीमियम उत्पादों पर जोर देना रु उपभोक्ता व्यवहार में तिमाही–दर–तिमाही मामूली 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई लेकिन प्रीमियम उत्पादों की ओर ले जाने, उच्च मूल्य वाले उत्पादों की ओर एक रणनीतिक बदलाव, लागत दबाव के सबसे व्यापक रूप से अपनाए जाने वाले उपायों में से एक बनकर उभरा है। यह सभी क्षेत्रों में देखने को मिलता है। मुद्रास्फीति फिर से लौट आई है रु इस तिमाही का सबसे तीव्र मात्रात्मक संकेत मुद्रास्फीति से संबंधित उल्लेखों में 45 प्रतिशत की वृद्धि है, जो सभी विषयों में सबसे बड़ी वृद्धि है। हालांकि महंगाई अपने शुरुआती स्तर से नीचे आ गई, लेकिन लागत का दबाव कम नहीं हुआ। औद्योगिक उत्पाद कंपनियां लगातार बढ़ती इनपुट लागत को एक समस्या मानती हैं। वित्तीय सेवाओं में, चर्चा अब उपभोक्ता ऋण की गुणवत्ता, विवेकाधीन खर्च व्यवहार और अर्थव्यवस्था के सुधार की गति जैसे कारकों पर केंद्रित हो गई है। इन पांचों विषयों को जोड़ने वाली बात यह है कि इनमें से कोई भी अस्थायी नहीं है। कमोडिटी की अस्थिरता, ए.आई. व्यवधान, भू–राजनीतिक विखंडन, उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव और मुद्रास्फीति चक्र परिचालन परिवेश की संरचनात्मक विशेषताएं हैं, न कि चक्रीय उतार–चढ़ाव। इसके अलावा, उभरते हुए ये वर्तमान अस्थिरता का अधिक बोझ झेल रहे हैं, जिससे भारतीय कंपनियों और व्यापारिक नेताओं के लिए आज की परिस्थितियों से निपटना कठिन हो गया है। इन चुनौतियों का अलग–अलग समाधान करना व्यर्थ साबित हो सकता है। इस परिवेश से सबसे मजबूत होकर उभरने वाली कंपनियां वे होंगी, जो इन कारकों को वैश्विक महाप्रवृत्तियों के परस्पर जुड़े आयामों के रूप में देखेंगी, जिनका समाधान एक ही रणनीतिक प्रश्न के उत्तर से किया जाना चाहिए रु निरंतर अस्थिरता की दुनिया में टिकाऊ रूप से बढ़ने वाला व्यवसाय कैसे बनाया जाए?

राशन सर्वे करने पहुंची टीम पर प्रशासन को हुआ संदेह, पूछताछ के बाद छोड़ा

न्यूज वाणी ब्यूरो

बिजनौर। राशन वितरण प्रणाली के संबंध में जानकारी एकत्र करने आई एक टीम को प्रशासन ने सत्यापन के लिए पुलिस हिरासत में ले लिया। बाद में संबंधित लोगों के एनजीओ से जुड़े होने की पुष्टि होने पर उन्हें छोड़ दिया गया।

जानकारी के अनुसार गांव जुड्डी में पांच सदस्यीय टीम राशन वितरण से जुड़ी जानकारी जुटाने पहुंची थी। टीम ने स्थानीय राशन विक्रेता से स्टॉक और वितरण प्रक्रिया के बारे में पूछताछ की। इसकी सूचना मिलने पर आपूर्ति विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले से प्रशासन को अवगत कराया। प्रशासनिक अधिकारियों ने टीम के परिचय और उद्देश्य को लेकर संदेह जताते हुए उनसे पूछताछ शुरू कर दी। बाद में पुलिस को बुलाकर सभी सदस्यों को शहर कोतवाली ले जाया गया, जहां उनके दस्तावेजों और पहचान की जांच की गई। इस दौरान अधिकारियों ने टीम की गतिविधियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जांच के दौरान उच्च स्तर से प्राप्त सूचना में स्पष्ट किया गया कि संबंधित लोग एक गैर–सरकारी संगठन (एनजीओ) से जुड़े हैं और राशन वितरण व्यवस्था के संबंध में सर्वे कार्य कर रहे थे। इसके बाद प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट होने पर सभी को जाने की अनुमति दे दी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि टीम द्वारा स्थानीय प्रशासन को पूर्व सूचना नहीं दी गई थी, जिसके कारण भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई। आवश्यक सत्यापन पूरा होने के बाद किसी प्रकार की कार्रवाई किए बिना उन्हें छोड़ दिया गया।

तहसील दिवस में पीडब्ल्यूडी पर भ्रष्टाचार के आरोप

– ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह का वीडियो वायरल

न्यूज वाणी ब्यूरो

नजीबाबाद, बिजनौर। लोक निर्माण विभाग पर भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर नया विवाद सामने आया है। तहसील दिवस के दौरान ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह ग्रामीणों के साथ अपनी शिकायत लेकर पहुंचे, जहां उन्होंने विभागीय अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों पर सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए

कहा कि विभाग में बड़े स्तर पर अनियमितताएं हुई हैं। बताया जा रहा है कि मुख्य विकास अधिकारी की मौजूदगी में ब्लॉक प्रमुख ने अधिकारियों को खरी–खोटी सुनाई और उन पर करीब पांच करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया। कार्यक्रम के दौरान हुई तीखी नोकझोंक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में ब्लॉक प्रमुख अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए नजर आ रहे हैं। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर जारी है। हालांकि, आरोपों पर विभागीय अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मामले की जांच और कार्रवाई को लेकर लोगों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं।

चोरों का आतंक, एक ही रात दो घरों को बनाया निशाना

न्यूज वाणी ब्यूरो

स्योहारा, बिजनौर। गांव मंढोरी में चोरों ने एक ही रात दो घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के सामान और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। लगातार हुई दो चोरी की घटनाओं से गांव में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई। पीड़ित परिवारों से पूछताछ के साथ ही आसपास के लोगों से भी जानकारी ली गई। प्रारंभिक जांच में चोरों द्वारा सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम देने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए विशेष टीम का गठन किया है। अधिकारियों का कहना है कि संदिग्धों की तलाश की जा रही है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। वहीं ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द खुलासे और चोरों की गिरतारी की मांग की है। एक ही रात में दो घरों में हुई लाखों रुपये की चोरी ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरतार किया जाएगा।

विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक में डीएम के सख्त निर्देश

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में एक जनपद–एक नदी, डिजिटल लाइब्रेरी, जीरो पॉवर्टी अभियान, गौशाला प्रबंधन, प्रा.तिक खेती, स्वच्छता एवं अन्य विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। एक जनपद–एक नदी अभियान के अंतर्गत सिरसा नदी की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि नदी में प्रवाहित होने वाले जल को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए फिल्टर चैम्बर व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि नदी में केवल स्वच्छ जल ही प्रवाहित हो। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत वर्ष 2026–27 में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की समीक्षा करते हुए उन्होंने नए पात्र परिवारों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। सामुदायिक शौचालयों के निर्माण के लिए स्थान चयन में वास्तविक आवश्यकता को प्राथमिकता देने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि कस्बाई स्वरूप ग्रहण कर चुकी ग्राम पंचायतों में बारात घरों, सब्जी मंडियों, बाजारों तथा अधिक आबादी वाले क्षेत्रों के आसपास सामुदायिक शौचालयों का निर्माण कराया जाए। वर्ष 2019–20 से 2023–24 तक लंबित ऑडिट प्रपत्रों की समीक्षा के दौरान सभी खंड विकास अधिकारियों एवं सहायक विकास अधिकारियों को विकास खंड स्तर पर निस्तारित किए जा सकने वाले मामलों का शीघ्र निस्तारण करने तथा सबसे पुराने लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर समाप्त करने के निर्देश दिए गए। डिजिटल लाइब्रेरी योजना की समीक्षा में बताया गया कि लगभग 117 स्थानों पर कार्य पूर्णता की ओर है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विद्यार्थियों के उपयोग को ध्यान में रखते हुए लाइब्रेरी का समुचित रखरखाव किया जाए। साथ ही प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित कम से कम पांच–पांच प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं तथा इंजीनियरिंग, चिकित्सा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों की उपलब्धता भी प्रदर्शित की जाए। जीरो पॉवर्टी अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत चिन्हित सबसे निर्धन परिवारों को राशन कार्ड, हर घर नल योजना सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने विभागों की योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास करें। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की समीक्षा के दौरान सभी खंड विकास अधिकारियों को योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार करने तथा अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने के निर्देश दिए गए। बैठक में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 05 जून से 21 जून 2026 तक संचालित जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान की भी समीक्षा की गई। इस दौरान विशेष जनसंपर्क एवं जनजागरूकता कार्यक्रम, मीडिया संवाद, जनकल्याण शिविर, स्वास्थ्य मेले, विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, विकास प्रदर्शनी, प्रा.तिक खेती कार्यशालाएं, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम तथा रात्रि चौपालों का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रम जनसहभागिता के साथ उत्सव के रूप में आयोजित किए जाएं।

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर व्यापक तैयारियां

- अभ्यर्थियों के लिए हेल्प डेस्क से लेकर निशुल्क ठहरने तक की व्यवस्था

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती–2025 की लिखित परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा 8, 9 और 10 जून को जनपद के 11 परीक्षा केंद्रों पर प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगी। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने बताया कि परीक्षा के मद्देनजर 7 जून से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों के जनपद में आगमन की संभावना है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने परिवहन, आवास, चिकित्सा एवं सहायता संबंधी विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। प्रशासन ने होटल संचालकों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा के लिए आने वाले अभ्यर्थियों एवं उनके परिजनों से निर्धारित किराये से अधिक शुल्क न लिया जाए तथा उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार करते हुए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाए। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए 7 जून की शाम 6 बजे से लेकर 10 जून की मध्यरात्रि तक विभिन्न मार्गों पर अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की गई है, ताकि परीक्षार्थियों को आने–जाने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और शास्त्री चौराहा पर 24 घंटे संचालित हेल्प डेस्क स्थापित की गई हैं। यहां तैनात कर्मचारी अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों के मार्ग, ठहरने की व्यवस्था और अन्य आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराएंगे। जिला प्रशासन एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से अभ्यर्थियों के ठहरने के लिए साईं उत्सव गार्डन, मधुवन वाटिका, जिला पंचायत सभागार, सुंदरपुर स्थित रैन बसेरा तथा रेलवे स्टेशन रैन बसेरा सहित विभिन्न स्थानों पर समुचित व्यवस्था की गई है। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा सभी 11 परीक्षा केंद्रों पर चिकित्सा सहायता एवं एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इसके अलावा सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के लिए शेड और स्वच्छ पेयजल की भी व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन ने ऑटो एवं ई–रिक्शा चालकों को भी निर्धारित किराया लेने और क्षमता से अधिक सवारी न बैठाने के निर्देश दिए हैं। अधिक किराया वसूलने या नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित चालक के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं को सुरक्षा व साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। मिशन शक्ति फेज–5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत थाना लवेदी पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं आमजन को महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन तथा साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में उनके उपयोग के बारे में बताया। जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102 एवं 108, वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 की जानकारी प्रदान की गई। पुलिस टीम ने साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में भी विस्तार से जानकारी देते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। बताया गया कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी साझा न करें और किसी संदिग्ध अथवा अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें। साथ ही ऑनलाइन लेन–देन और सोशल मीडिया के उपयोग के दौरान विशेष सावधानी बरतने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं को जागरूकता संबंधी पम्पलेट वितरित किए गए तथा सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को किसी भी प्रकार की समस्या या अपराध की स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इटावा पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान और जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान के तहत लगातार जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे।

ट्यूबवेल खराब होने पर तुरंत एक्शन में आए शरद बाजपेयी

- नई मोटर लगवाकर बहाल कराई जलापूर्ति

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। क्षेत्र में ट्यूबवेल खराब होने और जलापूर्ति बाधित होने की सूचना मिलते ही वरिष्ठ भाजपा नेता एवं नगर पालिका परिषद में नेता प्रतिपक्ष शरद बाजपेयी तत्काल सक्रिय हो गए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर मौके पर पहुंचकर ट्यूबवेल की मरम्मत कराई तथा नई मोटर लगवाकर जलापूर्ति सुचारु कराई।

शनिवार सुबह क्षेत्रवासियों ने शरद बाजपेयी को कटरा टेकचंद्र स्थित ट्यूबवेल खराब होने और पानी न आने की जानकारी दी। सूचना मिलते ही उन्होंने जल निगम के अवर अभियंता अवनीश कुमार से वार्ता की और तत्काल मौके पर पहुंचकर ट्यूबवेल खुलवाने की कार्रवाई शुरू कराई। तकनीकी जांच के बाद नई मोटर स्थापित कर ट्यूबवेल को पुनः चालू कराया गया। शरद बाजपेयी ने कहा कि उनके क्षेत्र में पिछले 14 वर्षों से पेयजल व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने का निरंतर प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्रवासियों को कभी भी लंबे समय तक पानी की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा है। ट्यूबवेल में किसी भी प्रकार की खराबी आने पर उसे तत्काल ठीक कराया जाता है ताकि लोगों को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि जनता की समस्या का त्वरित समाधान उनकी प्राथमिकता है और भविष्य में भी क्षेत्रवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किए जाते रहेंगे। इस दौरान अनिल बाजपेयी, शिवहरि दीक्षित, बंगाली बाबू सहित संबंधित कर्मचारी एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

नगर वन में दुर्लभ पक्षियों की दस्तक, नेचर वॉक में दिखीं 17 पक्षी प्रजातियां

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। सोसाइटी फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर के तत्वावधान में रविवार को नगर वन में नेचर वॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. बी.एन. सिंह, डॉ. राजीव चौहान, डॉ. देवेंद्र दुबे, डॉ. कमल कुमार एवं मुकेश चौधरी ने किया। नेचर वॉक के दौरान प्रतिभागियों को अनेक दुर्लभ पक्षी एवं जैव विविधता के विभिन्न स्वरूप देखने को मिले। डॉ. राजीव चौहान ने बताया कि भ्रमण के दौरान अत्यंत दुर्लभ पक्षी इंडियन पैराडाइज लाईकैचर

तथा गोल्डन ओरियल इस क्षेत्र में दिखाई दिए। इसके अलावा हरियल पक्षी घोंसले बनाते हुए देखे गए। झाड़ियों में रहने वाली विभिन्न चिड़ियों तथा तीतर के घोंसले भी प्रतिभागियों के आकर्षण का केंद्र रहे। डॉ. एस.सी. गुप्ता ने कहा कि नगर वन पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल के रूप में विकसित हो रहा है। यहां पक्षियों को न केवल पर्याप्त भोजन उपलब्ध हो रहा है, बल्कि घोंसला निर्माण के लिए भी अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। मनीष कुमार सहाय ने बताया कि नेचर वॉक के दौरान 65 पौधों की प्रजातियां, 17 पक्षियों की प्रजातियां तथा 9 तितलियों की प्रजातियां दर्ज की गईं, जो नगर वन की समृद्ध जैव विविधता को दर्शाती हैं। वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. डी.के. दुबे ने बताया कि इस प्रकार की दुर्लभ पक्षी प्रजातियां कई वर्षों बाद इस क्षेत्र में देखने को मिली हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोगों ने इन पक्षियों को पहली बार देखा, जिनमें एक नर पक्षी की लंबी सफेद पूंछ तथा मादा पक्षी की लाल रंग की पूंछ विशेष आकर्षण का विषय रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुकेश बाबू, शैलेंद्र सिंह, रश्मि पुरवार, दीक्षा यादव, सुशील जैन, राजीव लोचन, अर्जुन एवं अन्य युवाओं का उल्लेखनीय योगदान रहा।

एसपी के निर्देशन में होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

न्यूज वाणी ब्यूरो

महोबा। पुलिस महानिरीक्षक कार्मिक/पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के जी0एस0ओ0 के आदेश पत्र संख्या डी0जी0–12–(वे0वामा सारथी कल्याणकारी कार्य–12)/2025 17

नवंबर 2025 के क्रम व पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह के निर्देशानुसार रिजर्व पुलिस लाइन में वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में होम्योपैथिक चिकित्सा परामर्श एवं निःशुल्क दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

चिकित्सा शिविर में डॉ0 भारत कुमार अपनी टीम (स्टाफ) के साथ उपस्थित रहे। उनके द्वारा पुलिस लाइन परिसर में आवासित पुलिस कर्मियों, उनके परिजनों एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा शुगर एवं बी0पी0 (रक्तचाप) की जांच भी की गई। शिविर में उपस्थित लाभार्थियों को विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए रोगों की रोकथाम एवं उपचार के विषय में जागरूक किया गया तथा निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह द्वारा ऐसे कल्याणकारी आयोजनों को पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारों के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु अत्यंत उपयोगी बताया गया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन हेतु निर्देशित किया गया।

फतेहपुर के डा. जमाल चश्मे वालों की मशहूर दुकान
फैसल चश्मे वाले
(साइन्टिफिक आप्टीशियन)
किशनपुर रोड, चौड़ा खेर गली के अन्दर, शिब्बू मोबाइल के बगल में, मस्जिद के नीचे पहुंच गई है।
(जापानी कम्प्यूटर द्वारा आंखों की जाँच)
हमारे यहाँ पर आंखों की जाँच करके नजर व धूप के चश्में बनायें जाते है।
नोट- सरदर्द, आँखों में दर्द, मोतिया बिन्द, रतौंधी, धुन्ध, आपरेशन आँख दूर व पास के अक्षर साफ न दिखाई देने पर साइन्टिफिक आप्टीशियन द्वारा आँखों की जाँच करके नजर व धूप के चश्में बनाये जाते है व साफ्ट कान्टेक्ट लेन्स लगाये जाते है एवं कान की मशीन भी उपलब्ध है।
नोट- मोतिया बिन्द के आपरेशन व आँखों के अन्य आपरेशनों के साथ-साथ लैसिक द्वारा चश्मा हटवाने के लिए सम्पर्क करें। आँख के अन्दर (I.O.L.) लेन्स लगवाने के 21 दिन बाद अवश्य चश्मा लगवा लें वरना रोशनी कम होने का खतरा बना रहता है।
फैसल चश्मे वाले
किशनपुर रोड, चौड़ाखेर गली के अन्दर, शिब्बू मोबाइल के बगल में, मस्जिद के नीचे, आबू-फतेहपुर
डा. जमाल अहमद — जी.टी. रोड, फतेहपुर — MBBS. (H) P.M.P
हाजी खलीक अहमद जाफरी — सम्पादक कारवाने हक — 9415065213
एफ.ए.जाफरी — D.R. (Opt.) — 7379440876

फरधान पुलिस को बड़ी सफलता, चोरी की मोटरसाइकिल सहित शातिर चोर गिरफ्तार

संवाददाता लखीमपुर खीरी। जनपद में अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना फरधान पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर चोरी की वारदात का खुलासा किया है। बरामद मोटरसाइकिल को उसके वास्तविक मालिक को सुपुर्द करने की कार्रवाई की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में जिले भर में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निर्देशन तथा सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में थाना फरधान पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार दिनांक 06 जून 2026 को गोमती प्रसाद पुत्र स्वर्गीय मायाराम निवासी थाना क्षेत्र फरधान ने थाना फरधान में तहरीर देकर बताया था कि उनके घर से उनकी हीरो सुपर

स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, जिसका पंजीकरण संख्या न्द्र31 ।च 3787 है, अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई है। घटना 05 और 06 जून की रात की बताई गई थी। शिकायत मिलने के बाद थाना फरधान में मुकदमा अपराध संख्या 206/2026 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई थी। मोटरसाइकिल चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना फरधान पुलिस ने वाहन की बरामदगी और चोर की गिरफ्तारी के लिए सक्रियता से प्रयास शुरू कर दिए थे। इसी दौरान 07 जून को थाना फरधान पुलिस को निरीक्षक मेघराज, 3वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), लखीमपुर खीरी से सूचना प्राप्त हुई कि मरियाघाट क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया है। सूचना मिलते ही थाना फरधान पुलिस टीम शिकायतकर्ता गोमती प्रसाद को साथ लेकर मौके पर पहुंची। वहां पहुंचकर शिकायतकर्ता ने मोटरसाइकिल की पहचान की और पुष्टि की कि बरामद वाहन वही है जो उनके घर से चोरी हुआ था। इसके बाद एसएसबी द्वारा तैयार किए गए प्रॉपर्टी सीज एवं एप्रीहेन्सन मेमो के आधार पर मोटरसाइकिल और आरोपी को थाना फरधान पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पूछताछ और बरामदगी के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी भी की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुस्लिम खान पुत्र जाबिर खान निवासी रंगीला नगर, थाना कोतवाली सदर, जिला खीरी के रूप में हुई है। आरोपी की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह किसी संगठित वाहन चोर गिरोह से जुड़ा है या नहीं तथा उसके द्वारा पूर्व में की गई अन्य चोरी की घटनाओं में भी संलिप्तता रही है या नहीं। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। बरामदगी के रूप में पुलिस ने एक अदद चोरी की हीरो सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, पंजीकरण संख्या न्द्र31 ।च 3787 बरामद की है। वाहन की बरामदगी से पीड़ित परिवार ने राहत की सांस ली है और पुलिस की कार्रवाई की सराहना की है। इस सफल कार्रवाई में उपनिरीक्षक अजय कुमार यादव, आरक्षी शिवम कुमार तथा आरक्षी गब्बर सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने टीम की तत्परता और मेहनत की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगा। चोरी, लूट, वाहन चोरी एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी ताकि आमजन में सुरक्षा की भावना बनी रहे और कानून व्यवस्था सुदृढ़ हो सके। फरधान पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अपराध नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। वाहन चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा होने से पुलिस की सक्रियता और प्रभावी कार्यशैली भी सामने आई है।

जानकीपुरम क्षेत्र में सगे भाइयों के विवाद में घायल युवक की उपचार के दौरान मृत्यु, आरोपी हिरासत में

संवाददाता लखनऊ। थाना जानकीपुरम क्षेत्र में सगे भाइयों के बीच हुए विवाद में गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 जून 2026 को ट्रॉमा सेंटर, लखनऊ से प्राप्त डेथ मेमो के आधार पर सूचना मिली कि अभिषेक मिश्रा पुत्र रामानन्द मिश्रा, उम्र लगभग 24 वर्ष, एवं उसके छोटे भाई आर्यन मिश्रा पुत्र रामानन्द मिश्रा, उम्र लगभग 21 वर्ष, निवासी 3/805, सेक्टर–3, जानकीपुरम विस्तार, थाना जानकीपुरम, लखनऊ के बीच किसी तात्कालिक विवाद एवं गाली–गलौज को लेकर मारपीट हो गई थी।प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया कि मारपीट के दौरान बड़े भाई अभिषेक मिश्रा द्वारा छोटे भाई आर्यन मिश्रा को सिलेण्डर से चोट पहुंचाई गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घायल को उसके चाचा परमानन्द द्वारा तत्काल ट्रॉमा सेंटर, लखनऊ ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव का पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। आरोपी अभिषेक मिश्रा को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। परिजनों से तहरीर प्राप्त कर नियमानुसार अभियोग पंजीकृत करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस व्यवस्था पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी को लेकर अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर तीखा हमला

संवाददाता लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि जिस युग में पुलिस ही अपराधी बन जाए, वही कलयुग है। उन्होंने कहा कि माननीय इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा भाजपा सरकार के कार्यकाल में पुलिसिया ज्यादतियों को लेकर की गई सख्त टिप्पणी ने उत्तर प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि अदालत की टिप्पणी को सुनकर नैतिक रूप से भाजपा सरकार को शासन करने का कोई अधिकार नहीं रह जाता, लेकिन उनके अनुसार भाजपा के शब्दकोश में नैतिकता, निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और न्याय जैसे शब्दों का कोई स्थान नहीं है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में पुलिस, सत्ता के प्रभाव में आकर "भ्रष्टाचार की प्रतीक" बनती जा रही है और संविधान के बजाय अवैधानिक एवं आपराधिक तरीकों को अपनाकर राजनीतिक लाभ के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था का दुरुपयोग कर जनता के अधिकारों का हनन किया जा रहा है।अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय और अत्याचार चरम पर हैं तथा आम नागरिकों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता का दुरुपयोग लगातार बढ़ रहा है और सरकार कानून एवं संविधान के प्रति गंभीर नहीं है।उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल को जनता देख रही है और आने वाले समय में इसका राजनीतिक परिणाम स्पष्ट रूप से सामने आएगा।

महंगाई और ईंधन कीमतों को लेकर अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर हमला

संवाददाता लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने भाजपा सरकार पर महंगाई को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में महंगाई बेलगाम हो गई है और जनता लगातार बढ़ती कीमतों से परेशान है।अखिलेश यादव ने कहा कि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में 29 रुपये की बढ़ोतरी कर जनता को एक और महंगाई का झटका दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि पिछले तीन महीनों में घरेलू गैस सिलेंडर करीब 89 रुपये तक महंगा हो चुका है, जबकि वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतों में एक हजार रुपये से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है।उन्होंने यह भी कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे परिवहन, खाद्य पदार्थ और दैनिक उपयोग की वस्तुएं महंगी होती जा रही हैं। उनके अनुसार इस स्थिति का सीधा असर आम जनता, किसानों, मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारियों पर पड़ रहा है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां पूंजीपतियों के हित में काम कर रही हैं और गरीब व मध्यम वर्ग की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ा रही है, जबकि आमदनी में कोई बढ़ोतरी नहीं हो रही है।उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश में बिजली दरों में वृद्धि, स्मार्ट मीटर के माध्यम से बढ़े हुए बिल और ईंधन कीमतों में लगातार बढ़ोतरी ने जनता की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। साथ ही बेरोजगारी और उत्पादन लागत बढ़ने से व्यापार और कृषि क्षेत्र भी प्रभावित हो रहे हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण जनता में असंतोष बढ़ रहा है और लोगों के सामने जीवनयापन एक बड़ी चुनौती बन गया है।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने मे पत्रकारों की भूमिका महत्वपूर्ण

-इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ® द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

संवाददाता गोरखपुर। उत्तर प्रदेश, पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन एवं आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देने के उद्देश्य से इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ® के तत्वावधान में 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम दिनांक 7 जून, दिन रविवार, प्रातः 8रू00 बजे नार्मल स्कूल कैम्पस एवं चकला दोयम आयोजित हुआ। पौधारोपण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सेराज अहमद कुरैशी एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों ने किया। इस कार्यक्रम में नीम, आंवला, हरसिंगार, अड़हुल, आम, पिपल आदि के पौधे लगाएं गए। इस अवसर पर इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के संस्थापक / राष्ट्रीय अध्यक्ष सेराज अहमद कुरैशी ने कहा कि पौधे केवल प्रकृति की सुंदरता नहीं बढ़ाते, बल्कि मानव जीवन को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने का सबसे बड़ा आधार हैं। आज बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरणीय संकट के दौर में हर व्यक्ति का यह नैतिक दायित्व है कि वह कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल का संकल्प भी ले। उन्होंने आगे कहा कि एक पेड़ मां के नाम केवल एक अभियान नहीं, बल्कि मातृ सम्मान, प्रकृति प्रेम और भविष्य सुरक्षा का संदेश है। जिस प्रकार मां जीवन देती है, उसी प्रकार पौधे पृथ्वी के जीवन का आधार हैं। वे हमें आक्सीजन प्रदान करते हैं, वातावरण को शुद्ध रखते हैं तथा जलवायु संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक पौधा केवल पेड़ नहीं बनता, बल्कि वह भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, छाया, फल, औषधि और पर्यावरण सुरक्षा का स्रोत बनता है। वृक्ष वर्षा को आकर्षित करने, मिट्टी के कटाव को रोकने और जैव विविधता को संरक्षित करने में भी सहायक

होते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने मे पत्रकारों की भूमिका महत्वपूर्ण। राष्ट्रीय संगठन सचिव अखिलेश्वर धर द्विवेदी ने कहा कि पौधारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति और मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। इस पौधारोपण अभियान को इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन पूरे देश में चलाया जाएगी। कार्यक्रम में संकल्प लिया गया कि हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाए। लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का वचन दे। पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक बनाए। हरियाली बढ़ाकर आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दे।प्रेरणादायक नारे लगायें गए एक पेड़ मां के नाम, हरियाली बने देश की शान। आज पौधा लगाएंगे, कल स्वच्छ भविष्य पाएंगे। पेड़ बचाओ दृ जीवन बचाओ। धरती मां का यही पुकार, वृक्ष लगाओ बार–बार। हर हाथ एक पौधा, हर दिल में प्रकृति का प्रेम। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद इरफानुल्लाह खान, राष्ट्रीय संगठन सचिव अखिलेश्वर धर द्विवेदी, मंडल सचिव सतीश मणि त्रिपाठी, जिला प्रवक्ता रमाशंकर गुप्ता, तहसील उपाध्यक्ष गोरखपुर अजमेर खान, परमानन्द जी, मेराज अहमद, सतीश चन्द, आशुतोष कुमार, जुबेर आलम, डॉ. अतीक अहमद, नवेद आलम, मोहम्मद आज़म, रफी अहमद, मोहम्मद अहमद खान आदि पत्रकार एवं पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

खेड़ा राठौर वृहद गौ संरक्षण केंद्र बना ग्रामीण विकास और पशुधन प्रबंधन का आदर्श मॉडल

संवाददाता लखनऊ उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में कृषि एवं पशुपालन सदैव आर्थिक और सामाजिक जीवन की धुरी रहे हैं। निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश की बढ़ती समस्या के समाधान हेतु राज्य सरकार द्वारा लागू निराश्रित गोवंश संरक्षण कार्यक्रम अब प्रभावी परिणाम दे रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है।आगरा जनपद के बाह तहसील स्थित ग्राम खेड़ा राठौर में स्थापित वृहद गौ संरक्षण केंद्र इस नीति का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व स्थापित यह केंद्र आज बेसहारा, बीमार एवं कमजोर गोवंश के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल के रूप में विकसित हो चुका है।चार सौ गोवंश की क्षमता वाले इस केंद्र में वर्तमान में चार सौ से अधिक पशु सुरक्षित रूप से संरक्षित हैं। जिला प्रशासन के कुशल प्रबंधन एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के चलते प्रत्येक पशु को समुचित पोषण, चिकित्सा सुविधा एवं देखभाल उपलब्ध कराई जा रही है।करीब एक एकड़ क्षेत्रफल में विकसित इस केंद्र में चार सौ कुंतल क्षमता वाला भूसा गोदाम, आधुनिक चरही व्यवस्था, केयरटेकर कक्ष एवं प्रशासनिक कार्यालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। भूसा गोदाम का निर्माण उत्तरदृदक्षिण दिशा में किया गया है, जिससे वायु संचार एवं नमी नियंत्रण सुनिश्चित हो सके और चारे की गुणवत्ता लंबे समय तक सुरक्षित रहे।केंद्र का स्थान चयन भी वैज्ञानिक आधार पर किया गया है, जो आबादी क्षेत्र से सुरक्षित दूरी पर स्थित होने के साथ ही मुख्य मार्ग से पक्की सड़क द्वारा जुड़ा है, जिससे चारे की आपूर्ति एवं चिकित्सकीय सेवाओं का संचालन सुचारू रहता है। बेहतर जल निकासी व्यवस्था के कारण बरसात के मौसम में भी परिसर जलभराव से मुक्त रहता है।यहां वर्तमान में बछड़े एवं बछड़ियों सहित गर्भवती और दुधारू गायों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। लगभग दो टन प्रतिदिन हरे चारे का उत्पादन केंद्र परिसर में ही किया जा रहा है, जिससे यह आत्मनिर्भर मॉडल के रूप में विकसित हो रहा है।इस योजना के परिणामस्वरूप न केवल गोवंश को सुरक्षित आश्रय मिला है, बल्कि किसानों की फसलों को होने वाला नुकसान भी लगभग समाप्त हो गया है। इससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है तथा खेतों की सुरक्षा की समस्या का समाधान भी हुआ है। गोवंश से प्राप्त जैविक खाद कृषि भूमि की उर्वरता बढ़ाने में सहायक बन रही है, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो रही है।प्रदेश सरकार के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 7,527 गो–आश्रय स्थल संचालित हैं, जिनमें 12.29 लाख से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। इनमें 518 वृहद गो–संरक्षण केंद्रों में 1.58 लाख से अधिक गोवंश को आश्रय दिया गया है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत अब तक 1.14 लाख लाभार्थियों को 1.82 लाख से अधिक गोवंश सुपुर्द किए जा चुके हैं।निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु हजारों आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं तथा कई जनपदों में कमांड एवं कंट्रोल रूम

स्थापित किए गए हैं। साथ ही गोचर भूमि के विकास, हरे चारे के उत्पादन, गोबर गैस संयंत्रों एवं वर्मी कम्पोस्ट जैसे उपायों से ग्रामीण स्वावलंबन को बढ़ावा मिल रहा है।खुरपका, मुंहपका, गलाघोटू एवं लंपी स्किन डिजीज जैसी बीमारियों के विरुद्ध व्यापक टीकाकरण अभियान से पशु स्वास्थ्य संरक्षण को मजबूती मिली है।खेड़ा राठौर का यह वृहद गौ संरक्षण केंद्र इस बात का प्रमाण है कि सुनियोजित सरकारी नीति, प्रशासनिक दक्षाता और जनभागीदारी के समन्वय से न केवल पशुधन संरक्षण संभव है, बल्कि ग्रामीण विकास, कृषि सुधार और पर्यावरण संतुलन के क्षेत्र में भी व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है।

लखनऊ - हरदोई राजमार्ग पर चलती कार में आग, चालक सुरक्षित

संवाददाता लखनऊ। थाना मलिहाबाद क्षेत्रान्तर्गत लखनऊ–हरदोई राजमार्ग पर ग्राम मुजफ्फरपुर के निकट शनिवार दोपहर एक चलती फोर्ड इकोस्पोर्ट कार में अचानक आग लग गई। घटना की सूचना पर पुलिस एवं फायर सर्विस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार वाहन संख्या यूपी 30 एजे 0786 (फोर्ड इकोस्पोर्ट) को अब्दुल बासित पुत्र मोहम्मद शाहिद, निवासी रेलवेगंज, थाना कोतवाली नगर, जनपद हरदोई, चला रहे थे। बताया गया कि चालक अकेले लखनऊ से हरदोई की ओर जा रहे थे, तभी यात्रा के दौरान अचानक वाहन में आग लग गई।चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और वह सुरक्षित हैं।मौके पर पहुंची फायर सर्विस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूर्ण रूप से काबू पा लिया, हालांकि आग लगने से वाहन काफी क्षतिग्रस्त हो गया।प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण तकनीकी खराबी अथवा शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है और मौके पर स्थिति सामान्य है। पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है तथा यातायात व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित कराई गई।

दुबग्गा क्षेत्र में युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या, उपचार के दौरान हुई मृत्यु

संवाददाता लखनऊ। थाना दुबग्गा क्षेत्र में एक युवक द्वारा फांसी लगाने की घटना सामने आई है, जिसमें उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सिकरौरी निवासी सुनील यादव पुत्र स्व. रणधीर सिंह, उम्र लगभग 35 वर्ष, की मृत्यु के संबंध में थाना दुबग्गा पर डेथ मेमो एवं परिजनों की सूचना प्राप्त हुई। प्रथम दृष्टया जानकारी के अनुसार 6 जून 2026 की शाम लगभग 7 बजे सुनील यादव ने अपने घर के कमरे में छत पर लगे पंखे से साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली थी। घटना के समय कमरा अंदर से बंद था।परिजनों द्वारा दरवाजा खटखटाने पर कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर दूसरे रास्ते से कमरे में प्रवेश किया गया, जहां युवक फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने तत्काल उसे नीचे उतारकर एम्बुलेंस की सहायता से केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर, लखनऊ पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक के भाई जितेन्द्र सिंह उर्फ विक्की यादव द्वारा थाना दुबग्गा में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि मृतक नशे का आदी था और संभवतः नशे की अवस्था में उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने शव का पंचायतनामा कराकर पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी में रखवाया है। मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है तथा मौके पर शांति एवं कानून–व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

आगरा में एनयूजे राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, पत्रकारिता को बताया लोकतंत्र की प्राणवायु

संवाददाता लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आगरा में आयोजित नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (एनयूजे) के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र की प्राणवायु है और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी सशक्त रह सकता है जब सभी स्तंभ अपनी–अपनी भूमिका का निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निर्वहन करें।कार्यक्रम का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से आए पत्रकारों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का माध्यम है। पत्रकार समाज को जागरूक करने, जनभावनाओं को अभिव्यक्त करने तथा

लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की कलम में अपार शक्ति है। यदि सरकार जनहित के कार्यों में कहीं कमी छोड़ती है तो पत्रकार उसे सामने लाते हैं और अच्छे कार्यों को जनता तक पहुंचाने में भी मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश तेजी से प्रगति कर रहा है और 'वन नेशन–वन इलेक्शन' की अवधारणा संसाधनों की बचत एवं विकास की गति को और तेज करने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी और आम नागरिक भी इस विचार का समर्थन कर रहे हैं।उन्होंने यह भी कहा कि भारत वैश्विक चुनौतियों के बावजूद आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रक्षा उत्पादन, ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी विकास के क्षेत्रों में देश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।उप मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। पत्रकारिता को तथ्यों, निष्पक्षता और राष्ट्रहित के मूल्यों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों की समर्थक है और पत्रकारों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है।इस अवसर पर एनयूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी, राष्ट्रीय महामंत्री प्रदीप तिवारी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अरविंद सिंह, संगठन मंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक प्रमोद गोस्वामी, प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र दुबे, प्रदेश महामंत्री द्विजेंद्र शर्मा, कुलपति प्रो. आशु रानी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद् एवं बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

मऊ बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग के फोरलेन निर्माण को स्वीकृति, पूर्वांचल के विकास को मिलेगी नई गति

संवाददाता लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा के निरंतर प्रयासों और प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप पूर्वांचल की महत्वपूर्ण मऊ–बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 128–बी (55.57 किलोमीटर) के चौड़ीकरण एवं फोरलेन निर्माण परियोजना को स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस निर्णय को पूर्वांचल के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है।मंत्री ए. के. शर्मा ने इस परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने के उद्देश्य से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अध्यक्ष को पत्र भेजकर टेंडर प्रक्रिया एवं निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस परियोजना को लेकर पूर्व में भी निरंतर पत्राचार एवं उच्चस्तरीय वार्ताएं की जाती रही हैं, जबकि क्षेत्र की जनता लंबे समय से इसके क्रियान्वयन की प्रतीक्षा कर रही है।उन्होंने कहा कि मऊ–बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि पूर्वांचल के आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास की मजबूत आधारशिला बनेगा। फोरलेन बनने से यातायात अधिक सुगम होगा, यात्रा समय में कमी आएगी तथा सड़क सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होगा। परियोजना के अंतर्गत कई रेलवे ओवरब्रिजों के निर्माण का भी प्रस्ताव है, जिससे आवागमन में आने वाली बाधाएं समाप्त होंगी और लोगों को निर्बाध परिवहन सुविधा प्राप्त होगी। इससे क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी तथा किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मंत्री ए. के. शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया है कि परियोजना के पूर्ण होने पर मऊ, बलिया एवं आसपास के जनपदों में आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी और पूर्वांचल के विकास को एक नई दिशा प्राप्त होगी।

सर्वोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने रचा सफलता का नया इतिहास, जेईई मेंस व एडवांस्ड में शानदार प्रदर्शन

संवाददाता लखनऊ। प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होती, आवश्यकता केवल सही अवसर, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन की होती है। उत्तर प्रदेश सरकार की इसी सोच को साकार कर रहे समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने इस वर्ष जेईई मेंस, जेईई एडवांस्ड एवं बोर्ड परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाया है।प्रदेश के विभिन्न जनपदों में संचालित इन आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उचित वातावरण उपलब्ध कराया जाए तो ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।इस वर्ष सर्वोदय विद्यालयों के 11 विद्यार्थियों ने जेईई मेंस परीक्षा में सफलता प्राप्त की है, जबकि छात्रा प्रीति ने जेईई एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इन उपलब्धियों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मिर्जापुर के मड़िहान स्थित सर्वोदय विद्यालय को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया गया है, जहां विशेषज्ञ शिक्षकों के मार्गदर्शन, नियमित टेस्ट, आधुनिक अध्ययन सामग्री एवं प्रतियोगी वातावरण ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई दिशा दी है।इस वर्ष जेईई मेंस में सफल होने वाले विद्यार्थियों में मिर्जापुर की दामिनी पटेल, अंवाला वर्मा, सृष्टि, शिवानी और रागनी सहित कुल 11 विद्यार्थी शामिल हैं। वहीं देवरिया, बाराबंकी और बस्ती के विभिन्न सर्वोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी परीक्षा में सफलता अर्जित की है। विशेष रूप से प्रीति और दामिनी पटेल को आईआईटी मंडी के प्रतिष्ठित बीबीए एवं एमबीए कार्यक्रमों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है, जो इस शैक्षिक मॉडल की सफलता को और अधिक सशक्त बनाता है।समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश में वर्तमान में 103 जय प्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जहां कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा, आवास, भोजन, पुस्तकें एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा प्रदान की जाती है।इन विद्यालयों का उद्देश्य केवल शैक्षणिक शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, व्यक्तित्व निर्माण, खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। सरकार की यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों, डिजिटल शिक्षा, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण एवं छात्रवृत्ति योजनाओं के परिणामस्वरूप ऐसे सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। सर्वोदय विद्यालयों की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि सही दिशा और अवसर मिलने पर कोई भी छात्र बड़े लक्ष्य हासिल कर सकता है।यह उपलब्धियां केवल परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि उस सामाजिक परिवर्तन की कहानी हैं जिसमें शिक्षा के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को नई पहचान और उज्ज्वल भविष्य मिल रहा है।

टीजीटी भर्ती परीक्षा की प्रोविजनल उत्तरकुंजी जारी, अभ्यर्थियों को 12 जून तक आपत्ति दर्ज करने का अवसर

संवाददाता लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रशिक्षित स्नातक

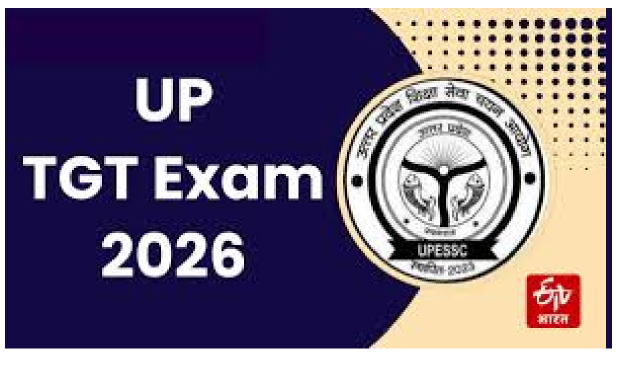

(टीजीटी) भर्ती परीक्षा (विज्ञापन संख्या–01/ 2022) के अंतर्गत 03 एवं 04 जून 2026 को सम्पन्न लिखित परीक्षा के सभी 15 विषयों की मास्टर सेट की प्रोविजनल उत्तरकुंजी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दी गई है।आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि अंग्रेजी, हिन्दी, गणित, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत, शारीरिक शिक्षा, वाणिज्य, गृह विज्ञान, कला, विज्ञान, संगीत गायन, कृषि, जीव विज्ञान, उर्दू तथा संगीत वादन सहित सभी विषयों की उत्तरकुंजी अभ्यर्थियों के अवलोकन हेतु उपलब्ध करा दी गई है।उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी आयोग के ऑनलाइन पोर्टल पर अपने अनुक्रमांक एवं जन्मतिथि के माध्यम से लॉगिन कर संबंधित मास्टर सेट की प्रोविजनल उत्तरकुंजी का अवलोकन कर सकते हैं तथा अपने प्रश्नपत्र से मिलान कर सकते हैं। यदि किसी प्रश्न या उत्तर पर आपत्ति हो तो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि आपत्तियां 12 जून 2026 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन दर्ज की जा सकेंगी। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ई–मेल, डाक या अन्य किसी माध्यम से भेजी गई आपत्तियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे केवल आयोग द्वारा निर्धारित ऑनलाइन लिंक के माध्यम से ही आपत्तियां दर्ज करें। सभी प्राप्त आपत्तियों का विषय विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण कर अंतिम उत्तरकुंजी तैयार की जाएगी।

बीकेटी क्षेत्र में व्यक्तिद्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या, पुलिस ने शव को कब्जे में लिया

संवाददाता लखनऊ। बीकेटी थाना क्षेत्र के ग्राम गोसाईनपुरवा में शनिवार सुबह एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना सामने आई। सूचना मिलने पर बीकेटी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की।पुलिस एवं स्थानीय लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमचन्द गोस्वामी पुत्र स्व. बैजनाथ, उम्र लगभग 50 वर्ष, निवासी गोसाईनपुरवा मजरा देवरी रुखारा, थाना बीकेटी, लखनऊ ने गांव के बाहर स्थित मुकेश जिन्दल की बंद पड़ी फैक्ट्री परिसर में लगे आम के पेड़ पर दुपट्टे का फंदा बनाकर बीती रात आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी सुबह होने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया।बताया गया है कि मृतक देवरी रुखारा क्रासिंग के पास चाय एवं समोसे का होटल संचालित करता था। उसके परिवार में दो पुत्र एवं एक पुत्री हैं।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है। मौके पर शांति एवं कानून–व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

बीमा कंपनी में 8.05 लाख की वित्तीय हेराफेरी करने वाला वांछित अभियुक्तउन्नाव से गिरफ्तार

संवाददाता लखनऊ। थाना सरोजनीनगर पुलिस ने बीमा कंपनी में वित्तीय अनियमितता एवं धोखाधड़ी कर 8.05 लाख रुपये की हेराफेरी करने वाले वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा था तथा उसकी गिरफ्तारी पर न्यायालय द्वारा गैर जमानती वारंट भी जारी किया गया था।प्राप्त जानकारी के अनुसार वादी संदीप सिंह, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता, मेसर्स स्टार यूनियन दाई–इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा थाना सरोजनीनगर में तहरीर देकर अवगत कराया गया था कि कंपनी में कार्यरत एसोसिएट पद के कर्मचारी शुभांशु सिंह द्वारा विभिन्न बीमा पॉलिसियों की गलत बिक्री कर वित्तीय अनियमितताएं की गईं। जांच में तीन शिकायतकर्ताओं से कुल 8,05,000 रुपये की धनराशि के गबन एवं हेराफेरी की पुष्टि होने पर कंपनी द्वारा आरोपी को सेवा से निष्कासित कर दिया गया तथा थाना सरोजनीनगर में मुकदमा दर्ज कराया गया।इस संबंध में थाना सरोजनीनगर पर मु0अ0सं0 164/2025 धारा 316(5)/318(4) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया, जिसकी विवेचना उप निरीक्षक दीपेन्द्र कुमार सिंह द्वारा की जा रही है।विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे, लेकिन वह गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा था। इस पर न्यायालय जेएम प्रथम, लखनऊ द्वारा 21 फरवरी 2026 को उसके विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए थाना सरोजनीनगर पुलिस टीम ने 6 जून 2026 की रात लगभग 11रू30 बजे गदनखेड़ा बाईपास, जनपद उन्नाव से अभियुक्त शुभांशु सिंह पुत्र उदयप्रताप सिंह, निवासी ग्राम सरायमंगली, पोस्ट भगन्तनगर, थाना बिहार, जनपद उन्नाव को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में अभियुक्त ने बीमा पॉलिसियों की गलत बिक्री एवं वित्तीय हेराफेरी के माध्यम से 8.05 लाख रुपये की धोखाधड़ी किए जाने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है तथा मामले में आगे की विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप,भूमाफिया और राजस्व कर्मियों की मिलीभगत का आरोप

संवाददाता उन्नाव,। सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम मझरा पीपरखेड़ा एहतमाली और कटरी पीपरखेड़ा में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों और सर्वे कार्य में कथित अनियमितताओं का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता पंकज सिंह ने राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों, भूमाफियाओं और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगों पर मिलीभगत कर सरकारी भूमि पर कब्जे कराने तथा गरीब भूमिधरों को परेशान करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पंकज सिंह ने बताया कि दोनों गांव वर्तमान में सर्वे प्रक्रिया के अंतर्गत हैं। उनका आरोप है कि सर्वे के दौरान प्रमाणित नक्शों के बजाय त्रुटिपूर्ण नक्शों का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि कुछ भूमाफियाओं ने अपनी वास्तविक भूमि से अधिक जमीन का विक्रय कर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे किए हैं, जिसमें कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध है। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब आम लोग अपनी भूमि की नाप कराने पहुंचते हैं, तो अधिकारियों द्वारा प्रमाणित नक्शा उपलब्ध न होने का हवाला देकर मना कर दिया जाता है। हालांकि, सरकारी भूमि बताकर नोटिस जारी करने और निर्माण गिराने के लिए उन्हीं नक्शों का इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई गरीब परिवारों को बिना स्पष्ट नाम और तिथि वाली नोटिसें चस्पा कर दी जाती हैं, जिसके बाद उनके मकानों या बाउंड्रीवाल को सरकारी भूमि पर अतिक्रमण बताकर ध्वस्त कर दिया जाता है। पंकज सिंह ने बताया कि इस मामले की शिकायत पूर्व में मंडलायुक्त और मुख्यमंत्री स्तर तक की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने सहायक अभिलेख अधिकारी प्रशांत नायक के खिलाफ भी आरोप लगाए। उनके अनुसार, वर्ष 2024 में स्वयं संबंधित अधिकारी ने उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर नक्शे और चौहद्दी में त्रुटियों की बात स्वीकार की थी, बावजूद इसके उन्हीं त्रुटिपूर्ण आधारों पर कार्रवाई की जा रही है। इन आरोपों पर संबंधित अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पंकज सिंह ने यह भी दावा किया कि मरहला क्षेत्र स्थित एक गेस्ट हाउस की जांच पूर्व में सरकारी भूमि पर निर्माण पाए जाने के आधार पर हुई थी। हालांकि, बाद में अधिकारियों के बदलने के बाद स्थिति बदल गई। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित प्रकरण की फाइलें भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में तहसील दिवस में जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया गया था। इसके बाद उन्होंने सदर विधायक पंकज गुप्ता से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी दी। विधायक ने कथित रूप से मामले को जिलाधिकारी के समक्ष उठाने और जांच समिति गठित कराने का आश्वासन दिया है।

टीजीटी परीक्षा की प्रोविजनल उत्तरकुंजी जारी, अभ्यर्थी 12 जून तक कर सकते आपत्ति : डॉ. प्रशांत कुमार

संवाददाता लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा प्रशिक्षित स्नातक टीजीटी भर्ती परीक्षा अंतर्गत 3 एवं 4 जून को सम्पन्न लिखित परीक्षा के 15 विषयों की मास्टर सेट की प्रोविजनल उत्तरकुंजी आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी गई है।आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि अंग्रेजी, हिन्दी, गणित, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत, शारीरिक शिक्षा, वाणिज्य, गृह विज्ञान, कला, विज्ञान, संगीत गायन, कृषि, जीव विज्ञान, उर्दू तथा संगीत वादन सहित सभी विषयों की उत्तरकुंजी अभ्यर्थियों के अवलोकन हेतु उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी आयोग के ऑनलाइन पोर्टल पर अपने अनुक्रमांक एवं जन्मतिथि के माध्यम से लॉगिन कर संबंधित मास्टर सेट की प्रोविजनल उत्तरकुंजी का अवलोकन कर सकते हैं तथा अपने प्रश्नपत्र का मिलान कर सकते हैं। यदि किसी प्रश्न अथवा उत्तर के संबंध में कोई आपत्ति हो तो अभ्यर्थी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

अहिल्याबाई का जीवन सेवा, सुशासन, धर्म और राष्ट्र निर्माण का प्रेरक आदर्श : मौर्य

–काशी विश्वनाथ सहित देशभर के मंदिरों के पुनरुद्धार से लोकमाता ने सांस्कृतिक चेतना को किया जागृत

संवाददाता लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने फिरोजाबाद में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास की ऐसी महान विभूति थीं, जिन्होंने अपने अद्वितीय साहस, दूरदर्शिता, लोककल्याणकारी दृष्टिकोण तथा सुशासन से राष्ट्र निर्माण की अमिट गाथा लिखी। उनका जीवन सेवा, धर्म, संस्कृति और जनकल्याण के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा था, तब लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने न केवल कुशल प्रशासन का परिचय दिया, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण एवं पुनरुत्थान का महान कार्य किया। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर सहित देश के अनेक प्राचीन मंदिरों, तीर्थस्थलों, घाटों और धर्मशालाओं का पुनर्निर्माण एवं जीर्णोद्धार कराया। काशी में उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अनेक जनोपयोगी कार्य कराए, जिससे सनातन संस्कृति और आस्था को नई ऊर्जा प्राप्त हुई। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का साहसिक जीवन प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। विपरीत परिस्थितियों में पति और पुत्र के निधन के बाद भी उन्होंने अदम्य धैर्य, दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व का परिचय देते हुए मालवा राज्य को विकास, समृद्धि और सुशासन की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। महिला सशक्तिकरण, न्यायप्रिय शासन और जनसेवा की ऐसी मिसाल प्रस्तुत की, जिसकी चर्चा आज पूरे देश में आदरपूर्वक की जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और पुनर्स्थापन की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्श 'विरासत और विकास' की इसी भावना को मजबूत करते हैं। उनका जीवन हमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सेवा का संकल्प पहुंचाने की प्रेरणा देता है। श्री मौर्य ने क्षेत्रीय विधायक प्रेम पाल सिंह धनगर को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं जनसेवा के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष सतीश दिवाकर, विधायक प्रेम पाल सिंह धनगर, विधायक मनीष असीजा, भाजपा प्रदेश मंत्री एवं विधान परिषद सदस्य विजय शिवहरे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आकाश को राष्ट्रीय लोकदल का क्षेत्रीय महासचिव बनाए जाने पर दी बधाई

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के मंशानुरूप संगठन के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी के दिशा निर्देशन एवं प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय के अनुमोदन के बाद प्रयाग क्षेत्र की क्षेत्रीय कार्यकारिणी की आधिकारिक सूची जारी की गई है। इस सूची में उत्तम उद्योग व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश

के जिला युवाध्यक्ष एड एडवोकेट आकाश सिंह भदौरिया को राष्ट्रीय लोकदल में क्षेत्रीय महासचिव (प्रयाग क्षेत्र) जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। आकाश सिंह भदौरिया को इस प्रतिष्ठित पद पर मनोनीत किए जाने से व्यापार मंडल और स्थानीय युवाओं में हर्ष की लहर दौड़ गई है। इस उपलब्धि पर उत्तम उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष .ष्ण कुमार तिवारी एवं संगठन की समस्त टीम ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें पुष्पहार पहनाकर और मिठाई खिलाकर उज्जवल कार्यकाल की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष .ष्ण कुमार तिवारी ने कहा कि आकाश भदौरिया एक कर्मठ, ऊर्जावान और समर्पित युवा नेता हैं। उनके इस पद पर आने से न केवल राष्ट्रीय लोकदल को प्रयाग क्षेत्र और फतेहपुर में मजबूती मिलेगी, बल्कि युवाओं और व्यापारियों की आवाज को भी एक नया मंच मिलेगा। संगठन को पूरा विश्वास है कि वह अपनी नई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। बधाई देने वालों में उत्तम उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष मनोज साहू, श्रवण दीक्षित, प्रेमदत्त उमराव, संदीप श्रीवास्तव, जय किशन, प्रशांत सिंह चौहान अनिल महाजन, मो कैफ सहित भारी संख्या में व्यापारी नेता और युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने आकाश भदौरिया के उज्जवल भविष्य की कामना की।

पुलिस, सर्विलांस सेल की बड़ी कार्यवाही

- 101 गुमशुदा मोबाइल अनुमानित कीमत 2500000 बरामद

- बरामद मोबाइल उनके धारकों को किया गया सुपुर्द

न्यूज वाणी ब्यूरो

बहराइच। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी के पर्यवेक्षण में समस्त क्षेत्राधिकारीगण के नेतृत्व में सर्विलांस टीम को मिली सफलता। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुमशुदा हुये विभिन्न कम्पनियों के कुल 101 मोबाइल फोन कीमत लगभग 2500000 बरामद कर उनके स्वामियों को सुपुर्द किया गया। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में जनपद में गुमशुदा मोबाइल फोनों की बरामदगी हेतु सर्विलांस टीम एवं समस्त थाना प्रभारी, थानाध्यक्षों के नेतृत्व में विशेष अभियान संचालित किया गया। उक्त अभियान के क्रम में जनपदीय सर्विलांस टीम द्वारा सभी थानों से समन्वय स्थापित करते हुए भारत सरकार द्वारा संचालित सीईआईआर पोर्टल की नियमित

मॉनीटरिंग की गई। अभियान के दौरान जनपदीय पुलिस टीमों द्वारा विभिन्न कंपनियों, जिनमें एप्पल, सैमसंग, वीवो, ओप्पो, टेक्नो, रेडमी एवं वनप्लस आदि के कुल 101 गुमशुदा मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए गए। बरामद मोबाइल फोनों को आज पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित मोबाइल धारकों को विधिवत सुपुर्द किया गया। अपना खोया हुआ मोबाइल फोन प्राप्त कर लाभार्थियों द्वारा बहराइच पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पुलिस की तत्परता एवं प्रभावी कार्यप्रणाली की सराहना की गई। इस अवसर पर द्वारा जनसामान्य से अपील की गई कि वे अपने मोबाइल फोन में संचार सारथी एप प्ले स्टोर से डाउनलोड कर लें, जिससे मोबाइल फोन गुम होने की स्थिति में पंजी.त मोबाइल नंबर पर आवश्यक सूचनाएं प्राप्त होती रहें। साथ ही, मोबाइल फोन गुम होने पर मोबाइल की बिल, आईएमईआई संख्या, आधार कार्ड एवं अन्य पहचान पत्र के साथ अपने स्थानीय थाने पर उपस्थित होकर, ऑनलाइन सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। मोबाइल फोन बरामद होने अथवा प्रकरण में की गई। पुलिस कार्यवाही की सूचना पंजी.त मोबाइल नंबर पर उपलब्ध कराई जाती रहेगी। पुलिस अधीक्षक द्वारा गुमशुदा मोबाइल फोनों की बरामदगी में उ.ष्ट कार्य करने वाली जनपदीय सर्विलांस टीम को पुरस्.त किए जाने की घोषणा भी की गई।

मत्स्य योजनाओं के लिए आठ जून से किये जा सकते आवेदन

न्यूज वाणी ब्यूरो

बहराइच। प्रभारी सहायक निदेशक मत्स्य बाबू राम ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत जनसामान्य को ऑनलाइन आवेदन करने हेतु विभागीय पोर्टल फिशरीज डाट यूपी डाट जीओवी डाट इन 08 जून से 28 जून तक खोला जा रहा है। विभिन्न योजनाओं में मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना एवं सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना आदि सम्मिलित हैं। सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदक को योजनावार अलग–अलग आवेदन करने होंगे। योजना के अन्तर्गत परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले अभिलेख व अन्य विस्तृत विवरण भी सम्बन्धित पोर्टल पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि योजना में पूर्व के वर्षों में निरस्त/प्रतीक्षारत आवेदनकर्ता पुनः आवेदन कर सकते हैं। अन्य जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति विकास भवन के निकट सरस शो–रूम में स्थित जिला मत्स्य कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

वामा सारथी के स्वास्थ्य शिविर में मिला निःशुल्क उपचार व परामर्श

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन में स्वास्थ्य परीक्षण एवं वामा वेलनेस होम्योपैथिक कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन वामा सारथी अध्यक्षा रीना श्रीवास्तव के नेतृत्व में वार्षिक कैलेंडर के अनुसार किया गया।

शिविर में टाटा 1 एमजी तथा जिला अस्पताल के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा परामर्श की व्यवस्था की गई। इस दौरान पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस परिवार की महिलाओं एवं बच्चों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आवश्यक उपचार और चिकित्सकीय सलाह प्रदान की गई। विशेषज्ञ होम्योपैथिक चिकित्सकों ने शिविर में उपस्थित लोगों को निःशुल्क परामर्श देने के साथ–साथ आवश्यक औषधियों का भी वितरण किया। मौसम जनित बीमारियों से बचाव के संबंध में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने उपयोगी जानकारी साझा की। कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (अपराध) संतोष कुमार सिंह ने शिविर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया तथा चिकित्सकों से व्यवस्थाओं एवं लाभार्थियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। शिविर में प्रतिसार निरीक्षक सुभाष चंद्र यादव भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में वामा सारथी वालंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजकों ने बताया कि पुलिस परिवार के स्वास्थ्य संरक्षण एवं कल्याण के उद्देश्य से इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता और चिकित्सा शिविर आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे।

राज्यकर विभाग ने आयोजित किया व्यापारी संवाद कार्यक्रम

न्यूज वाणी ब्यूरो

बहराइच। राज्य कर विभाग उत्तर प्रदेश खण्ड–2 द्वारा प्रदेश में व्यापारिक गतिविधियों के प्रोत्साहन, पंजीयन बेस एवं राजस्व वृद्धि समयवद्ध रिटर्न फाईलिंग, जीएसटी पोर्टल पर करदाताओं को उनके स्वयं के द्वारा मोबाइल नम्बर एवं ई–मेल आईडी अपडेट करने तथा स्थानीय स्तर पर जीएसटी–20 सुधारों के प्रति जागरुकता हेतु उद्यमियों, करदाताओं एवं अन्य स्टेक होल्डर्स के साथ संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से शनिवार को कपडा थोक कमेटी अतिथि भवन में उपायुक्त, राज्य कर, खण्ड–2 यासिर अहमद की अध्यक्षता में व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभागार में उपस्थित समस्त व्यापारी, अधिवक्ता मीडिया से सम्बन्धित तथा विभागीय अधिकारियों के बीच उपरोक्त बिन्दुओं पर शासन की मंशा के अनुरुप व्यापार विचार विमर्श किया गया। व्यापारियों एवं विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुये व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने एवं एक पारदर्शी प्रणाली बनाने की बात की गयी। उपायुक्त श्री अहमद द्वारा जीएसटी–2.0 सुधारों पर व्यापक प्रकाश डाला गया। पंजीयन आधार बढाने, समय से रिटर्न दाखिल करने, जीएसटी पंजीकरण में आई नई व्यवस्था 14ए के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त कम्पोजिशन एवं सर्विस सेक्टर के व्यापारियों को इन्वायसिंग एवं कर जमा करने की प्रणाली के बारे में भी विस्तार से बताया गया। व्यापार मण्डल के पदाधिकारी कूलभूषण अरोड़ा द्वारा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुये इसे व्यापारी बन्धुओं के लिये अत्यन्त उपयोगी बताते हुए व्यापारियों की समस्याओं एवं सुझाव संवाद कार्यक्रम में रखे। व्यापारियों की समस्याओं को त्वरित समाधान के लिये ऐसे संवाद कार्यक्रम लगातार बनाये रखने का आश्वासन दिया गया। व्यापार मण्डल के पदाधिकारी कूलभूषण अरोड़ा द्वारा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुये इसे व्यापारी बन्धुओं के लिये अत्यन्त उपयोगी बताते हुए व्यापारियों की समस्याओं एवं सुझाव संवाद कार्यक्रम में रखे। व्यापारियों की समस्याओं को त्वरित समाधान के लिये ऐसे संवाद कार्यक्रम लगातार बनाये रखने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर जिला उधोग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष दीपक सोनी, नगर अध्यक्ष बृजमोहन मातन हेलिया, महामंत्री प्रमोद डालमिया, अध्यक्ष गल्ला व्यापार मण्डल विकास मलानी, जिला कोषाध्यक्ष व्यापार मण्डल एवं टैक्स बार एसोसियेशन की ओर से अजय कुमार श्रीवास्तव, महासचिव टैक्स बार एसोसियेशन वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश कुमार श्रीवास्तव, अनिल गुप्ता, शादिक खान एवं अन्य अधिवक्तागण मौजूद रहे। राज्य कर विभाग की ओर से उपायुक्त अहमद यासिर, सहायक आयुक्त अजय कुमार वर्मा, संदीप कुमार सिंह, राजीव चौधरी, आलोक मिश्रा व अम्बरीश तिवारी आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

– जीते स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ फतेहपुर की टीम मथुरा–वृंदावन में आयोजित तृतीय स्वामी विवेकानंद ए ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने गई थी। प्रतियोगिता में फतेहपुर के खिलाड़ियों ने उ.ष्ट प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, एक रजत एवं एक कांस्य पदक जीतकर जनपद का नाम

गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में अंजलि मिश्रा ने स्वर्ण पदक, आयुषी यादव ने रजत पदक तथा सानिध्य कुमार ने कांस्य पदक प्राप्त किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ फतेहपुर के अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत और लगन का ही परिणाम है कि फतेहपुर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हो रहा है। टीम के वापस लौटने पर सभी खिलाड़ियों का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। प्रतियोगिता में आराध्या तिवारी, अवंतिका सिंह, आयुषी सिंह सेजवाल, शनाया श्रीवास्तव, मोहम्मद अली, कुणाल साहू, अंश यादव, मोहम्मद जावेद एवं अनुराग कुमार ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कोच राजकुमार भारत वर्मा एवं रिचा राजपूत के मार्गदर्शन में टीम ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। टीम 9 जून को फतेहपुर वापस लौटेगी, जहां खिलाड़ियों का स्वागत एवं सम्मान किया जाएगा।

भाई की ईंट मारकर हत्या करने वाले अभियुक्तको पुलिस ने किया गिरफ्तार

न्यूज वाणी ब्यूरो/बांदा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरतारी हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना अतर्रा पुलिस द्वारा मामूली विवाद में सगे भाई की ईंट से मारकर हत्या करने वाले अभियुक्त को गिरतार कर लिया गया है। गौरतलब हो कि कस्बा अतर्रा के रहने वाले आशीष पुत्र राजकुमार ने 05 जून को देर रात्रि पैसे को लेकर हुए मामूली विवाद में अपने बड़े भाई विकाश के सिर पर ईंट से वार कर गम्भीर रुप से घायल कर दिया था जिसकी इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई थी। प्रकरण में मृतक की माँ सुनीता देवी की तहरीर पर थाना अतर्रा में अभियोग पंजी.त किया गया था तथा अभियुक्त की गिरतारी के प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में थाना अतर्रा पुलिस द्वारा अभियुक्त को गिरतार कर लिया गया। पकड़े गए अभियुक्त में आशीष पुत्र राजकुमार निवासी राजनगर प्रहलाद सिंह का पुरवा कस्बा व थाना अतर्रा के विरुद्ध मु0अ0सं0– 205/26 धारा 352/103(1) बीएनएस थाना अतर्रा में अभियोग दर्ज किया गया है। पकड़ने वाली पुलिस टीम में संजीव कुमार चौबे थानाध्यक्ष अतर्रा, कां0 रविन्द्र श्रीवास, कां0 अजय प्रजापति शामिल रहे।

जामिया फैज-ए-इलियास वेलफेयर ट्रस्ट मदरसे को लेकर विवाद

- ट्रस्टियों ने लगाए बेबुनियाद आरोपों पर आरोप

न्यूज वाणी ब्यूरो

ठाणे। दहिसर मोरे ठाकुर पाड़ा इलाके में स्थित जामिया फैज ए इलियास वेलफेयर ट्रस्ट मदरसा को लेकर हाल ही में कुछ शिकायतों और मीडिया रिपोर्टों के बाद चर्चा का माहौल बना हुआ है। मदरसे के ट्रस्टियों का कहना है कि उनका संस्थान पिछले छह वर्षों से शिक्षा, बच्चों के पालन–पोषण और समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है तथा यह पूरी तरह समाज के सहयोग से संचालित होता है। ट्रस्ट प्रबंधन के अनुसार, मदरसा महाराष्ट्र राज्य के ठाणे क्षेत्र में विधिवत पंजी.त है। संस्थान को न तो सरकार से कोई आर्थिक सहायता प्राप्त होती है और ना ही किसी विदेशी स्रोत से फंडिंग मिलती है। वर्तमान में यहां लगभग 160 छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनके रहने, खाने, शिक्षा तथा अन्य आवश्यकताओं की व्यवस्था ट्रस्ट द्वारा की जाती है। ट्रस्टियों ने बताया कि उनका उद्देश्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और उपनियमों के तहत कार्य करना है तथा वे सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हैं। उनका आरोप है कि मदरसे की बढ़ती सामाजिक गतिविधियों और लोकप्रियता के कारण कुछ लोगों में ईर्ष्या की भावना उत्पन्न हुई है, जिसके चलते शिकायतें की जा रही हैं। इसी क्रम में कुछ पत्रकारों ने मदरसे का दौरा किया। ट्रस्ट प्रबंधन का कहना है कि पत्रकारों ने बिना पूर्व अनुमति परिसर में प्रवेश कर पूछताछ की। हालांकि पत्रकारों ने सफाई व्यवस्था से संबंधित कुछ मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिन्हें जनहित से जुड़ा बताया गया। मदरसा प्रबंधन का कहना है कि निजी मदरसों के दस्तावेजों, पहचान पत्रों या आंतरिक व्यवस्थाओं की जांच करना पत्रकारों का वैधानिक अधिकार नहीं है। ट्रस्टियों के अनुसार, किसी भी निजी या अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान की औपचारिक जांच का अधिकार केवल अधि.त सरकारी विभागों, शिक्षा विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, मदरसा बोर्ड अथवा कानूनन अधि.त जांच एजेंसियों को होता है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, यदि कोई संस्था सरकारी सहायता प्राप्त है तो उससे संबंधित कुछ सार्वजनिक सूचनाएं सूचना का अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से प्राप्त की जा सकती हैं। हालांकि छात्रों की व्यक्तिगत जानकारी और संवेदनशील अभिलेखों की सुरक्षा का भी विशेष प्रावधान है। बिना अनुमति किसी निजी परिसर में प्रवेश या गोपनीय दस्तावेजों तक पहुंच का अधिकार किसी भी व्यक्ति को स्वतः प्राप्त नहीं होता। मदरसे के आसपास रहने वाले कई स्थानीय निवासियों ने भी संस्थान के समर्थन में अपनी प्रतिक्रिया दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे पिछले पांच–छह वर्षों से मदरसे की गतिविधियों को देख रहे हैं और यहां बच्चों को शिक्षा, भोजन तथा बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाता है। कुछ अभिभावकों ने बताया कि उनके बच्चे भी इसी मदरसे में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और उन्हें संस्थान की कार्यप्रणाली से संतोष है। स्थानीय निवासियों का यह भी कहना है कि छोटी–मोटी कमियां किसी भी संस्था में हो सकती हैं, जिन्हें सुधारने की आवश्यकता होती है, लेकिन बिना ठोस प्रमाण के आरोप लगाना उचित नहीं है। उनका मानना है कि समाजहित में कार्य करने वाली संस्थाओं को रचनात्मक सुझावों के माध्यम से बेहतर बनाने का प्रयास होना चाहिए। फिलहाल यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। संबंधित पक्षों का कहना है कि यदि किसी प्रकार की जांच आवश्यक होगी तो वे कानून और प्रशासन के साथ पूरा सहयोग करेंगे।

केन बेतवा लिंक पर परियोजना के विरोध में कांग्रेस की हुई बैठक

न्यूज वाणी ब्यूरो

बांदा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश दीक्षित के आवास पर केन बेतवा लिंक परियोजना के विरोध में महत्वपूर्ण बैठक कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश एवम् मध्य प्रदेश के अनेक जनपदों से सक्रिय प्रबुद्ध जन शामिल हुए और केन बेतवा परियोजना से होने वाली हानियों के विषय में अपने विचार रखे। अनेक वक्ताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए वर्तमान सरकार की नीतियों की जमकर

आलोचना की, उन्होंने कहा कि षविश्व में बांदा का तापमान 49 डिग्री से अधिक होने का मुख्य कारण पहाड़ों को नष्ट करना, बड़े पैमाने पर वृक्षों की कटाई व नदियों में डैम बनाकर उसके जल प्रवाह को रोकना बतलाया, समूचे बुंदेलखंड की जनता से अनुरोधा किया कि इस परियोजना के विरोध में सड़कों पर उतरें क्योंकि भविष्य में जल का भीषण संकट बांदा जिले में उत्पन्न हो जाएगा, वैसे भी बुंदेलखंड संभाग अति पिछड़ा है। इस अवसर पर 11 सदस्यीय संघर्ष समिति का गठन किया गया। सर्वसम्मति से डॉ संजय द्विवेदी दनादन को जिला संयोजक मनोनीत किया गया। इस बैठक में प्रमुख रूप से .ष्णा गांधी, सुनन्दा गांधी, दिव्या भारती, एआईसीसी सदस्य रमेश चन्द्र कोरी, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सीमा खान एडवोकेट, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष साकेत बिहारी मिश्रा, जिला कांग्रेस वरिष्ठ उपाध्यक्ष संकटा प्रसाद त्रिपाठी, डॉ संजय द्विवेदी दनादन, जिला कांग्रेस महामंत्री सत्यप्रकाश द्विवेदी एडवोकेट, शोएब रिजवी, सुन्दरलाल सुमन, वरिष्ठ सपा नेता मुमताज अली, रमेश चन्द्र दुबे, जिला कांग्रेस कंट्रोल रूम प्रभारी बी लाल भाई, बांदा कांग्रेस सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सन्तोष कुमार द्विवेदी, शिवप्रसाद भारती, अजय कुमार द्विवेदी, रामदत्त तिवारी, अखिलेश सिंह गौर जिलाध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन, शंकर दयाल, जितेन्द्र कुमार गुप्ता, जयपाल कुशवाहा, शिवसागर सिंह, लालबाबू राजपूत, सेवालाल वर्मा आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य टीम को मंत्री की धौंस दिखाना सपा नेता को पड़ा महंगा

– अमेरिकन अल्ट्रासाउंड सेंटर हुआ सील

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। स्वास्थ्य विभाग की टीम को एक मंत्री का रिश्तेदार बताकर दबाव बनाने का प्रयास करना अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालक और सपा नेता रामनरेष पटेल को भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा रुख अपनाते हुए रविवार को संबंधित अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील कर दिया। जानकारी के अनुसार शहर के बिंदकी बस स्टॉप के समीप संचालित अमेरिकन अल्ट्रासाउंड सेंटर पर शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान सेंटर संचालक एवं सपा नेता रामनरेष पटेल ने स्वयं को एक मंत्री का रिश्तेदार बताते हुए टीम पर दबाव बनाने की कोशिश की थी। इस दौरान हुई बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद मामला चर्चा का विषय बन गया। वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रविवार को दोबारा सेंटर पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान आवश्यक अभिलेखों एवं नियमों के अनुपालन में अनियमितताएं पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई करते हुए अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग के इस कदम को नियमों के पालन और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े संस्थानों में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली की सराहना हो रही है और जिले के अन्य निजी स्वास्थ्य संस्थानों में भी हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

मृतक के परिवारीजनों से मिले जिला पंचायत सदस्य

– सरकारी सहायता उपलब्ध कराने का दिया आश्वासन

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के रहिमालन गांव में विगत एक मई को लाठी–डण्डों से पीट–पीटकर की गई अभिमन्यु यादव की हत्या के मामले में रविवार को जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा नेता अजय सिंह उर्फ रिंकू लोहारी ने गांव पहुंचकर परिवारीजनों से मुलाकात की और उन्हें ढाढंस बंधाते हुए सरकारी सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। जिला पंचायत सदस्य रिंकू लोहारी ने कहा कि वह पीड़ित परिवार का बेटा बनकर उन्हें सहायता उपलब्ध कराने का काम करेंगे। माता–पिता की पेंशन व राशन कार्ड अतिशीघ्र बनवाकर व अन्य सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। श्री लोहारी ने बताया कि इस घटना से दोनों परिवारों का नुकसान हुआ है। यदि यह मामला थाना पुलिस में जाता तो सरकार बीच का रास्ता निकाल देती लेकिन कानून की मदद न लेकर घटना कारित कर दी गई है। सात अभियुक्त जेल जा चुके हैं। पीड़ित परिवार में रिंकू लोहारी बेटे के रूप में हमेशा मदद के लिए आगे रहेंगे।

अदालती नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरे पुत्र का नाम (MOHAMMAD BAQAR ANWAR) था। अब मैंने अपने पुत्र का नाम बदलकर (SYED MOHD BAQAR ANWAR) कर दिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। SYED ANWAR ABBAS (father) R/O 459/786 MAHTAB BAGH OPPOSITE SHEESH MAHAL TALAB DURGA DEVI MARG CHOWK LUCKNOW-226003 UTTAR PRADESH-INDIA

न्यूज़ वाणी
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
राज्य सरकार व केंद्र सरकार द्वारा
विज्ञापन हेतु सूचीबद्ध
समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें
सूचना, मार्कशीट, सम्बन्ध विच्छेदन,
खोया पाया, कोर्ट नोटिस, टेन्डर आदि
09451548620, 9451180488

अस्थाई गोआश्रय स्थल परसेण्डी का प्रभारी मंत्री ने किया निरीक्षण

न्यूज वाणी ब्यूरो

बहराइच। जनपद स्थापित गो आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उद्देश्य से शनिवार शाम मा. राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), उद्यान, .षि विपणन, .षि विदेश व्यापार एवं .षि निर्यात विभागः प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव व मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता के साथ तहसील व ब्लाक कैसरगंज में स्थित अस्थाई गोआश्रय स्थल परसेण्डी का भ्रमण किया गया। गो आश्रय स्थल पहुंचने पर सर्वप्रथम प्रभारी मंत्री श्री सिंह द्वारा गोआश्रय स्थल का निरीक्षण करते हुए गोपूजन कर गोवंशों को गुड़ व फल खिलाकर गौमाता व नंदी का सम्मान किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में वर्तमान समय में शहरीध्ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 97 अस्थाई गोआश्रय स्थल, नगरीय क्षेत्र में 02 कान्हा गोशाला एवं 08 कांजी हाउस के साथ–साथ 10 वृहद गोसंरक्षण केन्द्रों में गोसंरक्षण का कार्य किया जा रहा है। जिसमें जनवरी 2019 से अब तक 33 हजार से अधिक गोवंशों को संरक्षण प्रदान करते हुए उनमें लगभग 2700 इच्छुक पशुपालकों एवं .षकों को 7000 से अधिक गोवंशों को मुख्यमंत्री सहभागिता योजना अन्तर्गत सुपुर्दगी में दिया गया है। सीवीओ डॉ. उपाध्याय ने बताया कि माह अप्रैल 2026 तक गो आश्रय स्थलों एवं सुपर्दगी में दिये गये गोवंशों के भरण पोषण की धनराशि सम्बन्धित के बैंक खातों में अन्तरित करा दी गई है। माह मई 2026 के भुगतान की औपचारिकताएं पूर्ण की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि गैर सरकारी संस्थाओं को गोआश्रय स्थलों के गुणवत्तापूर्ण बेहतर संचालन के लिए जनपद में कार्यवाही की जा रही है। अभी तक 03 एनजीओ द्वारा आवेदन किया गया है। सभी गोआश्रय स्थलों में भूसाघरे चारे, चोकर, पशु आहार व गुड़ नमक की उपलब्धता है। सीवीओ ने बताया कि वर्तमान समय में अस्थाई गो आश्रय स्थल परसेण्डी में 457 गोवंश संरक्षित हैं। गोआश्रय स्थल में लगभग 4000 कुन्टल से अधिक भूसे का भण्डारण किया गया है। 50 कि.ग्रा. की 28 बोरी चोकर एवं 25 कि.ग्रा. की 21 बोरी पशु आहार के साथ पर्याप्त मात्रा में हरा चारा, गुड़ व नमक उपलब्ध है। गोआश्रय स्थल में स्थापित सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील है। पशुओं के लिए पर्याप्त पशु शेड के साथ साथ चरनी व प्याऊ का भी प्रबन्ध है। गोआश्रय स्थल का भ्रमण करते हुए साफ–सफाई संतोषजनक पायी गयी। प्रभारी मंत्री ने गोआश्रय स्थल में कराये गये वृक्षारोपण कार्य की सराहना करते हुए निर्देश दिया कि इसी तरह से सभी गोआश्रय स्थलों वृक्षारोपण सुनिश्चित किया जाय तथा रोपे गये वृक्षों की ग्रोथ के लिए जिला उद्यान अधिकारी से तकनीकी सहयोग प्राप्त किया जाय। गो आश्रय स्थल परिसर में पटंजा बिछाकर सुरक्षित तरीके से किये जा रहे गोबर संचय कार्य की सराहना करते हुए प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिया कि उत्पादित गोबर से जैविक खाद तैयार की जाय जिससे प्रा.तिक खेती को बढ़ावा मिल सके। इस सम्बन्ध में बीडीओ द्वारा बताया गया कि गोआश्रय परिसर में वर्मी कम्पोस्ट पिट बनायी गई है। प्रभारी मंत्री को यह भी जानकारी दी गई कि डीएम व सीडीओ द्वारा गोआश्रय स्थल में इस प्रकार का नवाचार किया जा रहा है जिससे वन एवं उद्यान विभाग को वर्मी कम्पोस्ट की बिक्री करके गो आश्रय स्थलों को स्वावलम्बी बनाया जा सके। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिया कि वर्ष पर्यन्त हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की जाय। आवश्यकता होने पर स्थानीय किसानों से अनुबन्ध भी किया जाय। इस बारे में सीवीओ द्वारा बताया गया कि इस गोआश्रय हेतु 01 किसान से एम.ओ.यू. कराया गया है। निरीक्षण के अन्त में प्रभारी मंत्री द्वारा व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गोसंरक्षण के लिए अधिक संवेदनशील एवं सजग को होकर अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते रहने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी कैसरगंज अखिलेश सिंह, खण्ड विकास अधिकारी, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, गोआश्रय स्थल संचालक एवं ग्राम पंचायत सचिव के साथ पशु मैत्री सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

हिकमतउल्ला पार्क में गुंडागर्दी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

– महिलाओं व बच्चों के सामने एक युवक को पीटकर मचाया था उत्पात

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। शहर के चर्चित हिकमतउल्ला पार्क मारपीट कांड में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कानून का शिकंजा कस दिया है। सार्वजनिक स्थान पर महिलाओं और बच्चों के सामने बेल्ट और चाकू से हमला कर दहशत फैलाने वाले आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। बताया जाता है कि शुक्रवार की शाम हिकमतउल्ला पार्क क्षेत्र में कुछ युवकों ने एक युवक को घेरकर उसके साथ मारपीट की थी। आरोपियों ने न केवल गाली–गलौज और बेल्ट से हमला किया, बल्कि धारदार हथियार चाकू से जानलेवा वार कर इलाके में सनसनी फैला दी थी। घटना के दौरान पार्क में महिलाओं और बच्चे भी मौजूद थे, जिससे लोगों में भय और आक्रोश का माहौल बन गया था। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने घटना को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस को तत्काल कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी के निर्देश पर सक्रिय हुई पुलिस टीम ने साक्ष्यों और जांच के आधार पर घटना में शामिल तीन आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली पुलिस ने इस मामले में मु0अ0सं0 234/2026 के तहत धारा 191(2), 115(2), 351(2) एवं 118(1) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में मुकदमा दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर गुंडागर्दी, मारपीट और कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अद एस की मासिक बैठक में पंचायत चुनाव पर हुआ मंथन

– मोइन खान बने जिला उपाध्यक्ष, संगठन विस्तार पर जोर

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। अपना दल (एस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार रविवार को पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष बृजेश पाल ने किया। बैठक में पिछले कार्यों की समीक्षा, सक्रिय सदस्यता अभियान, पंचायत चुनाव की तैयारियों व संगठन विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने जनपद में चल रहे सदस्यता अभियान की समीक्षा करते हुए इसे और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। साथ ही राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला, विधानसभा, जोन, सेक्टर एवं बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर विचार–विमर्श किया गया। बैठक में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर प्रत्येक घर घर पार्टी की नेम प्लेट एवं झंडा लगाने के अभियान को गति देने पर भी चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल ने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है और सभी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर जनता के बीच पार्टी की नीतियों को पहुंचाना होगा। आगामी दो जुलाई को पार्टी संस्थापक एवं समाज सुधारक डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिले के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। बैठक में संगठन विस्तार के तहत मोइन खान को जिला उपाध्यक्ष, गुलाब सिंह को जिला उपाध्यक्ष सं.ति मंच तथा तसीन रजा को सदर विधानसभा अल्पसंख्यक मंच का अध्यक्ष मनोनीत किए जाने की घोषणा की गई। बैठक में लईक अहमद, शिव प्रकाश रावत, लाखन सिंह पटेल, वीरेन्द्र सिंह पटेल, योगेन्द्र सिंह राणा, दीपू पटेल, पदम सिंह पटेल, सुमन सिंह मौर्य, नीतू गौतम, प्रीति श्रीवास्तव, साधना पासवान, हेमन्त पटेल, रवेन्द्र प्रताप सिंह, प्रभात लोधी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संस्कार समर कैंप में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, एसपी ने किया सम्मानित

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। बच्चों के चारित्रिक, मानसिक एवं शारीरिक विकास को केंद्र में रखकर ब्रह्माकुमारीज ओम शांति भवन ज्वालागंज में आयोजित दो दिवसीय संस्कार समर कैंप का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। कैंप के दूसरे दिन भी बच्चों ने पूरे जोश और उमंग के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी नीरा बहन ने कहा कि बच्चों के संपूर्ण विकास में चरित्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में चारित्रिक मूल्यों के ह्रास के कारण समाज में हिंसा, अशांति, पारिवारिक कलह और विभिन्न प्रकार की सामाजिक समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन सं.ति मूल्यों और संस्कारों पर आधारित रही है, जिसके कारण देश को कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था। यदि भारत को पुनः देवभूमि और संस्कारों की धरती बनाना है तो बच्चों में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास करना होगा। इसके लिए संस्कारशालाओं और ऐसे समर कैंपों की महती आवश्यकता है। कैंप के दौरान बच्चों ने राष्ट्रगीत, फैंसी ड्रेस, मोनो एक्टिंग, विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं, जुम्बा डांस तथा अन्य सां.तिक एवं मनोरंजक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक अपने परिवार सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राजकुमार मौर्य, डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रभाकर सिंह, कैप्टन लालजी श्रीवास्तव, अजय त्रिपाठी समेत अनेक गणमान्य नागरिकों ने प्रतिभाग किया और बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्.ष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को शील्ड, मेडल एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों को जीवन में अनुशासन, संस्कार और शिक्षा के महत्व को अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं में ब्रह्माकुमारी संगीता, प्रियंका, शांति, सीमा बहन सहित दिनेश, मोती, चंद्रपाल, नागेंद्र भाई एवं अन्य सेवाधारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्कार, सं.ति और नैतिक मूल्यों के संदेश से ओत–प्रोत यह समर कैंप बच्चों के लिए प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक साबित हुआ।

पुलिस की कार्रवाई, दो वारंटी समेत चार आरोपित गिरफ्तार

न्यूज वाणी ब्यूरो/इटावा। जनपद पुलिस ने कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए दो वारंटी अभियुक्तों सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार किया। थाना ऊसराहार पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के अनुपालन में सचिन पुत्र दीक्षित तोताराम निवासी नगला बलसिंह को गिरफ्तार किया। वहीं थाना चकरनगर पुलिस ने वारंटी अभियुक्त रामकुमार पुत्र श्री.ष्ण निवासी नगला महानंद को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की। इसके अलावा थाना चौबिया पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170, 126, 135 के तहत कार्रवाई करते हुए सुनील कुमार उर्फ सुशील पुत्र शिवपाल सिंह निवासी गंगापुरा तथा रवि कुमार पुत्र राजवीर सिंह निवासी बख्त्यारपुर को गिरफ्तार किया। थाना ऊसराहार पुलिस ने भी धारा 170, 126, 135 बीएनएसएस के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए अनुराग उर्फ ऐंठा पुत्र देव सिंह उर्फ बंटू निवासी नगला लच्छी को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार सभी आरोपितों के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई।

दस दिन से लाइट न आने से आक्रोशित ग्रामीणों ने हाइवे किया जाम

न्यूज वाणी ब्यूरो

बांदा। विद्युत समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया देखते–देखते सैकड़ो वाहन जाम में फंस गए सूचना के बाद ग्रामीणों से संपर्क कर सदर विधायक ने दिया आश्वासन तब ग्रामीणों ने जाम खोला है। आपको बता दें कि झांसी मिर्जापुर नेशनल हाईवे न 35 में महुआ गांव के निवासी ग्रामीणों ने आज 10 दिन से गांव के फुंके ट्रांसफार्मर के चलते लाइट न आने से आक्रोशित होकर नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया देखते ही देखते सैकड़ो की संख्या में वाहन जाम में फंस गए। आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि 28 मई को तूफान के दौरान उनका ट्रांसफार्मर जल गया था लेकिन आज तक ट्रांसफार्मर की मरम्मत नहीं हुई जिसके चलते हम लोग अंधेरे में रहने के लिए मजबूर हैं गर्मी से हालत बेहाल है। विद्युत विभाग के कान में जातक नहीं लग रही है हमको परेशान होकर के आखिर में यह कदम उठाना पड़ा है। हालांकि जाम की जानकारी होने पर सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने फोन पर लोगो को आश्वासन दिया ग्रामीणों ने जाम खोला है ग्रामीणों को कहना है कि विधायक ने आश्वासन दिया है कि बहुत जल्द आपकी लाइट आएगी आज से ही मरम्मत कर शुरू होगा।

नवागंत बीएसए का शिक्षामित्र संगठन ने किया स्वागत

-शिक्षामित्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा, मिला आश्वासन

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। नवागंत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रिंसी मौर्य के पदभार ग्रहण करने के उपरांत आदर्श शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बीएसए कार्यालय पहुंचकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष विजय सिंह गौर के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नवागत बीएसए का स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। संगठन की ओर से बेसिक शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सु.ढ़ बनाने तथा शिक्षामित्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक संवाद की अपेक्षा व्यक्त की गई। जिलाध्यक्ष विजय सिंह गौर ने कहा कि शिक्षामित्र सदैव शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और शासन की योजनाओं को विद्यालय स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नवागत बीएसए के नेतृत्व में शिक्षा विभाग नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा और शिक्षकों व शिक्षामित्रों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान होगा। स्वागत कार्यक्रम के दौरान जिला महामंत्री शिवकुमार यादव, भिटौरा ब्लॉक अध्यक्ष सोहनलाल लोधी, विजयीपुर अध्यक्ष देवेन्द्र, हथगाम अध्यक्ष निर्मल सिंह, ओमशंकर पाल, योगेंद्र सिंह भदौरिया, केके पांडेय, सज्जन सिंह, कुलदीप सिंह, इन्द्रपाल, इंद्रप्रकाश, शुभम सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक न्यूज वाणी में समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
11 वर्षों से आपकी सेवा में तत्पर
फतेहपुर की मशहूर व पुरानी दुकान
जाफ़री चश्में वाले
थोक व फुटकर चश्में
39, नवीन मार्केट, पुराना R.T.O. आफिस
करुणा जीवन ज्योति नर्सिंग होम के सामने
(निकट पत्थर कटा चौराहा), फतेहपुर (उ.प्र.)
कानपुर के मशहूर डॉक्टर द्वारा आपरेशन की सुविधा।
नोट- डाक्टर का पर्चा लाने पर मात्र आधे पर्चे में चश्मा व 10 प्रतिशत की छूट सहित प्राप्त करें।
कान की मशीन मात्र 450/- में
कान्टेक्ट लेंस मात्र 350/- में
सम्पर्क सूत्र : 05180-228339, 9451548620
प्रो. नफीस अहमद जाफरी
संपादक–राष्ट्रीय हिंदी दैनिक न्यूज वाणी

दहेज की बलिबेदी पर चढ़ी नवविवाहिता, जहर देने का आरोप

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। बकेवर थाना क्षेत्र के ग्राम कंसमीरी में दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों ने नवविवाहिता के साथ मारपीट कर उसे जहर खिला दिया। जिसकी कानपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच–पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के जोनिहां निवासी शिवम ने अपनी बहन रानी की शादी दस मई 2025 में बकेवर थाना निवासी राहुल यादव के साथ की थी। बताते हैं कि कुछ माह तो ठीक–ठाक रहा बाद में ससुरालीजन दहेज में अपाचे बाइक व दो लाख रुपए की मांग को लेकर आए दिन उसे प्रताड़ित करते थे। मांग पूरी न होने पर शनिवार की शाम पहले परिजनों ने उसे मारापीटा बाद में उसे जहरीला पदार्थ खिला दिया। इसकी जानकारी जब रानी के घर वालों को हुई तो तत्काल पहुंचे और उसे लेकर बिन्दकी सीएचसी आए। जहां हालत ठीक न होने पर चिकित्सक ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। परिजन उसे जिला चिकित्सालय लेकर आए जहां चिकित्सक ने उसे हालत गंभीर देख कानपुर के लिए रेफर कर दिया। इलाज के दौरान विवाहिता ने दम तोड़ दिया। उधर परिजन शव लेकर वापस गांव आ गए और पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतका के भाई शिवम व चाचा महेन्द्र सिंह ने बताया कि शादी के छह माह बाद पति राहुल, देवर रोहित, सास लक्ष्मी, ससुर हंसराज व नंदो ने उसे मारना–पीटना शुरू कर दिया और अपाचे गाड़ी व दो लाख रूपए की मांग को लेकर मारते–पीटते थे। मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों ने पुत्री को जहर खिलाकर मार डाला।

युवती ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चितौली में पिता की डांट से क्षुब्ध 18 वर्षीय युवती ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। जिसे उपचार के लिए सीएचसी ले गए। जहां हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार चितौली गांव निवासी स्व0 दिनेश पासवान की पुत्री सुलोलना को पिता ने किसी बात को लेकर डांट–डपट दिया। इसी बात से खुब्ध होकर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ देर बाद जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजन उसे लेकर हरदों सीएचसी पहुंचे। जहां चिकित्सकीय उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। घर वाले उसे सरकारी एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

बंदर के हमले से नीचे गिरकर वृद्ध घायल

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम औरई में रविवार की सुबह छत पर खड़े 60 वर्षीय वृद्ध पर अचानक लाल मुंह का बंदर कूद पड़ा। जिससे वह नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार औरई गांव निवासी स्व0 शिवशंकर द्विवेदी का पुत्र अवधेश द्विवेदी रविवार की सुबह नौ बजे से खड़ा था। तभी अचानक बंदर उसके ऊपर कूद पड़ा। जिससे वह दहशत में नीचे गिरकर घायल हो गया। परिजन उसे लेकर तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाए। जहां भर्ती कर उसका उपचार किया जा रहा है। घटना की जानकारी सदर अस्पताल में भाई धनंजय द्विवेदी ने दी है।

खेल-खेल में मासूम ने पिया तारपीन, भर्ती

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अस्ती में रविवार की सुबह खेल–खेल में तीन वर्षीय मासूम ने शीशी में रखा तारपीन का तेल पी लिया। हालत बिगड़ने पर उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार अस्ती गांव निवासी तफील का पुत्र मो0 उमैर सुबह खेलते–खेलते शीशी में रखा तारपीन का तेल पी लिया। तभी अचानक उसकी मां की नजर पड़ गई। जिसे तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां इलाज कर रहे चिकित्सक ने मासूम की हालत में सुधार बताया है।

बाइक की टक्कर से युवक घायल

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। ललौली थाना क्षेत्र के ग्राम सुजानपुर के समीप रविवार की सुबह बहुआ से सब्जी लेकर घर आ रहे 21 वर्षीय युवक को बाइक सवार ने टक्कर मार दिया जिससे वह घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार गाजीपुर थाना क्षेत्र के बरौंहा गांव निवासी दयाराम का पुत्र सोनू सुबह पहर साइकिल से बहुआ सब्जी खरीदने गया था। वापस लौटते समय जब वह सुजानपुर गांव के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रहे बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। सूचना पाकर पहुंची सरकारी एंबुलेंस ने घायल को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

बीओएस में नेक्सस इंटेलिजेंस के एआई सुपरपावर समर कैंप का समापन

- बच्चों ने सप्ताह भर में मौलिक एआई सहायित परियोजनाएं की तैयार

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। नेक्सस इंटेलिजेंस ने ब्रिलियंट ओरिएंटल स्कूल में अपने एआई सुपरपावर समर कैंप का सफलतापूर्वक समापन किया। यह सात दिवसीय कार्यक्रम कक्षा 5 से 9 तक के विद्यार्थियों को एक साथ लाया। जिसमें प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक सत्र आयोजित किए गए। ब्रिलियंट ओरिएंटल स्कूल के परिसर में आयोजित इस कैंप के लिए किसी भी तकनीकी पृष्ठभूमि की आवश्यकता नहीं थी। विद्यार्थियों ने एआई की बुनियादी अवधारणाओं, क्रिएटिव टूल्स, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, आलोचनात्मक सोच और तकनीक के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण लिया। उन्होंने टीमों में कार्य किया, लाइव प्रदर्शनों में भाग लिया और सप्ताह भर में मौलिक एआई–सहायित परियोजनाएं तैयार कीं। कैंप का समापन सातवें दिन ग्रैंड शोकेस के साथ

हुआ, जिसमें विद्यार्थी टीमों ने अपने अभिभावकों और शिक्षकों के सामने मंच पर अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम पूरा करने वाले सभी विद्यार्थियों को नेक्सस सर्टिफिकेट ऑफ अचीवमेंट प्रदान किया गया। समारोह में तीन विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए गए। शायना खान को सर्वाधिक रचनात्मक पुरस्कार, मआज़ अहमद खान को एआई एक्सप्लोरर पुरस्कार और अबू तालिब को सर्वाधिक प्रगतिशील पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नेक्सस इंटेलिजेंस के संस्थापक फैज़ान ने कहा कि यह कैंप कभी भी विद्यार्थियों को कोडिंग सिखाने के बारे में नहीं था। यह उन्हें उस तकनीक के बारे में आलोचनात्मक रूप से सोचना सिखाने के बारे में था जो पहले से ही उनके जीवन को आकार दे रही है। आज यहाँ से जाने वाला हर विद्यार्थी अपने परिवार को अपने शब्दों में एआई समझा सकता है और जब यह गलती करे तो उस पर सवाल उठा सकता है। हमारे विचार में, यही अगले दशक का सबसे महत्वपूर्ण कौशल है। स्कूल को कार्यक्रम का आयोजन स्थल बनने पर गर्व है। स्कूल के चेयरमैन सैय्यद वासिफ हुसैन ने कहा कि विद्यार्थियों की सहभागिता का स्तर, उनके द्वारा तैयार किए गए कार्य की गुणवत्ता और अंतिम दिन मंच पर उनका आत्मविश्वास यह सब हमारी अपेक्षाओं से कहीं अधिक था। मुख्य रूप से स्कूल के चेयरमैन सैयद वासिफ़ हुसैन, कॉर्डिनेटर मिस आसफा, अभिभावकों में जावेद खान, मुशीर अहमद और मो महफ़ूज़ आदि उपस्थित रहें।

फिट इंडिया व पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर निकली साइकिल रैली

- युवाओं ने दिया स्वस्थ भारत का संकल्प

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। विश्व पर्यावरण संरक्षण एवं फिट इंडिया मूवमेंट के तहत रविवार सुबह इंडियन रेडक्रास सोसाइटी और स्पोर्ट्स स्टेडियम के संयुक्त तत्वावधान में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली तथा स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार आयोजित की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के चेयरमैन एवं उत्तर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने किया। रेडक्रास भवन से स्पोर्ट्स स्टेडियम तक निकाली गई साइकिल रैली को जिला क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार भारती एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. निशात शहाबुद्दीन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में रेडक्रास सोसाइटी के सदस्यों, स्पोर्ट्स स्टेडियम के खिलाड़ियों, सदाशिव इंटर कॉलेज रेल बाजार, विद्या त्रिपाठी इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं तथा नगर के सम्मानित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान प्रतिभागी साइकिल चलाओ–पर्यावरण बचाओ, साइकिल चलाओ–ईंधन बचाओ और पानी बचाओ–जीवन बचाओ जैसे जागरूकता नारों के साथ लोगों को पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देते हुए आगे बढ़े। डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण एवं जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि रेडक्रास सोसाइटी द्वारा समय–समय पर जनजागरूकता अभियान चलाए जाते रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य देने के लिए हम सभी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। जिला क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार भारती ने कहा कि साइकिल चलाना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि इससे ईंधन की बचत और पर्यावरण प्रदूषण में भी कमी आती है। उन्होंने लोगों से दैनिक जीवन में अधिक से अधिक साइकिल का उपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के समापन पर इंडियन रेडक्रास सोसाइटी द्वारा सभी प्रतिभागियों को बिस्कुट वितरित किए गए। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन डॉ. विवेक श्रीवास्तव, कार्यकारिणी सदस्य शैलेंद्र अग्निहोत्री, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, चौतन्य कुमार, डॉ. वकील अहमद सिद्दीकी, आशीष गौड़ एडवोकेट, उमेश कुमार श्रीवास्तव, गोरेलाल लोधी, जितेंद्र शुक्ल, शैलेंद्र सिंह भदौरिया, सुरेश कुमार श्रीवास्तव, सुजीत सिन्हा, अंगद सिंह चंदेल, मनीष सिंह, संजय गुप्ता, हिमांशु श्रीवास्तव, कौशल कुमार श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इसके अलावा अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षक एथलेटिक्स मोहम्मद आरिफ खान, खेलो इंडिया के जितेंद्र यादव, हैंडबॉल के मोहित यादव, क्रिकेट के पुष्पेंद्र सिंह, क्रीड़ा भारती के शुभम पाल, आर्मी ट्रेनिंग से अभिनेष मौर्य, आचार्य रामनारायण एवं सुधांशु कुमार सहित अनेक खिलाड़ियों और युवाओं ने भी रैली में सहभागिता कर फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन–जन तक पहुंचाया।

मोदी सरकार के बारह साल पूरे होने पर भाजपा ने कसी कमर

- असोथर मंडल बैठक में कार्यकर्ताओं को मिला जीत का मंत्र

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को और अधिक मजबूत बनाने तथा को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। बैठक को संबोधित करते हुए कुलदीप भदौरिया ने कहा कि पहुंचाना पार्टी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ समाज

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे विशेष अभियानों को सफल बनाने के उद्देश्य से रविवार को अयाहशाह विधानसभा क्षेत्र के असोथर मंडल की मासिक संगठनात्मक बैठक नगर पंचायत असोथर में संपन्न हुई। बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी कुलदीप भदौरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते 12 वर्षों में विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं। इसी उपलब्धि को जन–जन तक पहुंचाने के लिए पार्टी द्वारा 5 जून से 21 जून तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन अभियानों के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक के हर वर्ग तक पहुंच रहा है, जिससे जनता के बीच सरकार के प्रति विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंडल क्षेत्र में किए गए वृक्षारोपण कार्यक्रमों की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मंडल की मासिक बैठकें संगठन की मजबूती का आधार हैं। इन बैठकों में पूर्व कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ आगामी अभियानों की रणनीति तैयार की जाती है और उसे शक्ति केंद्रों व बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठनात्मक ढांचा ही उसकी सफलता की सबसे बड़ी पहचान है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मंडल अध्यक्ष राम महेश निषाद ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन द्वारा निर्धारित सभी कार्यक्रमों और अभियानों को असोथर मंडल में पूरी सक्रियता और प्रतिबद्धता के साथ सफल बनाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में निर्मल सिंह चौहान, रामकुमार बाजपेई, आदित्य अग्निहोत्री, राघवेंद्र सिंह, गौरव सिंह गौतम, भीम सिंह, गीता देवी, रज्जन शुक्ला, शनि मिश्रा, देवशरण सिंह, विनोद वाल्मीकि, चंद्रभान पासवान, महेश कालिया, सुखराज निषाद, मोदी महाराज सहित मंडल पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर जागरूकता अभियान

– भोजन की बर्बादी रोकने का दिया संदेश

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर युवा विकास समिति द्वारा जनपद में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य लोगों को भोजन की बर्बादी रोकने, खाद्य संसाधनों के संरक्षण और जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने के प्रति जागरूक करना रहा।

समिति के कार्यकर्ताओं ने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों से संपर्क कर खाद्य सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एक ओर देश में लाखों लोग प्रतिदिन भूखे पेट सोने को विवश हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी मात्रा में भोजन बर्बाद कर दिया जाता है। यह न केवल खाद्य संसाधनों की हानि है, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने पोस्टर और नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। उन्होंने संदेश दिया कि "जितनी भूख, उतना ही भोजन लें, बाकी जरूरतमंदों को दें तथा भोजन की बर्बादी रोको, मानवता का सम्मान करो। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि खाद्य सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी से ही इसे मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि विवाह समारोह, सामाजिक आयोजनों और घरेलू स्तर पर भोजन के उचित प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें ताकि खाद्य सामग्री व्यर्थ न जाए। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि बचा हुआ भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाने की पहल से न केवल भूख मिटाई जा सकती है, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना भी मजबूत होगी। उन्होंने युवाओं से इस मुहिम से जुड़ने और खाद्य सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। अभियान के समापन पर समिति ने जनपदवासियों से अपील की कि वे भोजन की बर्बादी रोकने का संकल्प लें और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में खाद्य सुरक्षा को सशक्त बनाने में अपना योगदान दें। इससे न केवल संसाधनों का संरक्षण होगा, बल्कि जरूरतमंद लोगों को भी राहत मिल सकेगी।

पक्का तालाब पर रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ आगाज

– इंदल सिंह ने फीता काटकर क्रिकेट प्रेमियों को दी बड़ी सौगात

न्यूज वाणी ब्यूरो

खागा, फतेहपुर। नगर के पक्का तालाब मैदान पर रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। टूर्नामेंट में फतेहपुर की नामी टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिला फाइनल मुकाबला फतेहपुर ओमनी और पौली टीम के बीच खेला गया जिसमें ओमिनी फतेहपुर ने मैच जीता तो दूसरा मैच पक्का तालाब ने जीता। टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि अधिवक्ता इंदल सिंह रहेंगे। इंदल सिंह खागा नगर पंचायत से पूर्व प्रत्याशी भी रह चुके हैं। उनके साथ समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। जबकि फाइनल में फतेहपुर ओमनी का सामना पौली टीम से हुआ दोनों टीमों के कप्तान क्रमशः अजहर और सैफ थे जो बेहद रोमांचक मैच था। वही कई चर्चित स्टार खिलाड़ी भी मैदान टूर्नामेंट में मौजूद रहे जिनमें विनेश सिंह, विकास, आदिल, बेद जैसे स्थानीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी टीम के लिए खेल रहे हैं। जबकि युवाओं में क्रिकेट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं आयोजकों ने बताया कि पक्का तालाब मैदान की खेल प्रतिभाओं का गढ़ है। शीतकालीन टूर्नामेंट का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। विजेता टीम फतेहपुर को ट्रॉफी व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आयोजक समिति ने खागा व आसपास के क्रिकेट प्रेमियों से अपील की है कि वो बड़ी संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाएं। फाइनल मैच में मुख्य अतिथि खिलाड़ियों को पुरस्त करेंगे।

पूर्व सैनिक उत्थान समिति की बैठक में संगठन विस्तार

– रेलवे स्टेशन पर दलाली के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। पूर्व सैनिक उत्थान एवं लोक कल्याण समिति की मासिक बैठक रविवार को एक कोचिंग सेंटर में समिति के अध्यक्ष सूबेदार राजकुमार तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन विस्तार के साथ विभिन्न सामाजिक एवं जनहित के मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत में पूर्व सैनिक संतोष द्विवेदी प्रधान प्रतिनिधि सरकंडी व राजेंद्र शुक्ला पूर्व ब्लॉक प्रमुख भिटौरा को संगठन का संरक्षक मनोनीत किया गया। वहीं पूर्व सरकारी अधिवक्ता राम.ष्ण पांडेय को संगठन का कानूनी सलाहकार नियुक्त किया गया। तीनों नवमनोनीत पदाधिकारियों को माला पहनाकर एवं संगठन की स्मृति–चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। संरक्षक बने राजेंद्र शुक्ला ने अपने गायत्री महायज्ञ पुष्कर के अनुभव साझा किए। बैठक में संगठन के अध्यक्ष विद्याभूषण तिवारी ने स्थानीय रेलवे स्टेशन पर तत्काल टिकट आरक्षण में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि रेलवे स्टेशन पर दलालों का सक्रिय नेटवर्क कार्य कर रहा है, जिसके माध्यम से जरूरतमंद यात्रियों से रेलवे किराये के अतिरिक्त एक से दो हजार रुपये तक वसूले जाते हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे प्रशासन, आरपीएफ एवं जीआरपी की मिलीभगत से दलालों को लाभ पहुंचाए जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। साथ ही स्टेशन के सामने स्थित मोटरसाइकिल स्टैंड पर भी निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली और विरोध करने पर विवाद की घटनाएं होने का आरोप लगाया। समिति ने इस पूरे मामले को गंभीर बताते हुए शीघ्र ही डिविजनल रेलवे मजिस्ट्रेट, प्रयागराज को ज्ञापन भेजकर जांच एवं कठोर कार्रवाई की मांग करने का निर्णय लिया। बैठक में प्रेम सागर शुक्ला, विमलेश त्रिवेदी, सुनीता यादव, जागृति तिवारी, विनोद कुमार मिश्रा, राजेश कुमार शुक्ला, यदुनंदन यादव, श्रीकांत मिश्रा, मनोज कुमार शुक्ला तथा पूर्व भाजपा अध्यक्ष सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक, फतेहपुर किंग सेवा संस्थान के लिये नफीस अहमद जाफरी द्वारा जाफरी प्रिन्टर्स 170 महाजरी फतेहपुर उ0प्र0 से मुद्रित एवं प्रकाशित । सम्पादक नफीस अहमद जाफरी मो0 9451548620 R.N.I : UPHIN/ 2011/44792 (समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र फतेहपुर)